Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 283 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शुक्रवार 02 मई 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अहिंसा रूपी देवता की आराधना ही हमारे जीवन को सफलता देने वाला है।

Only worshiping deity of nonviolence is the key to success in our life.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

नौसेना ने अरब सागर में तेज किया अभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को कड़ा जवाब देने के लिए भारत ने तैयारी तेज कर दी है। आतंक के पनाहगार पाकिस्तान की हरकतों को रोकने और आतंक को नेस्तनाबूद करने के लिए तीनों सेनाएं अलर्ट मोड पर हैं। भारतीय नौसेना अरब सागर में अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र में अभ्यास तेज कर दिया है। रक्षा विभाग के सूत्रों की मानें तो नौसेना ने अपने युद्धपोतों को सतर्क रखा है। हाल के दिनों में इस क्षेत्र में कई जहाज-रोधी और विमान-रोधी फायरिंग की गई है। भारतीय तटरक्षक जहाज भी अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अग्रिम क्षेत्रों में तैनात हैं। गुजरात तट से सटी समुद्री सीमा पर कड़ी निगरानी हो रही है।

पाकिस्तानी नागरिकों को राहत, देश छोड़ने के लिए समय-सीमा बढ़ाई गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को राहत देते हुए देश छोडने की समयसीमा बढ़ा दी है। केंद्र सरकार ने भारत में रह रहे पाकिस्तान के नागरिकों को अगले आदेश तक वाघा-अटारी सीमा के रास्ते लौटने की अनुमति दे दी है। गृह मंत्रालय ने पहले कहा गया था कि 30 अप्रैल को सीमा बंद हो जाएगी और अब आंशिक संशोधन के साथ यह आदेश दिया जाता है कि पाकिस्तानी नागरिकों को उचित मंजूरी के साथ अगले आदेश तक अटारी स्थित एकीकृत जांच चौकी से भारत से पाकिस्तान जाने की अनुमति दी जा सकती है।

पीएम मोदी ने किया वेव्स समिट का उद्घाटन, कहा- सिनेमा देश की संस्कृति की आवाज है

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई में विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन, वेव्स 2025 का उद्घाटन किया. यह चार दिवसीय कार्यक्रम 10, 000 से अधिक प्रतिनिधियों, 1, 000 से अधिक क्रिएटर्स, 300 से अधिक कंपनियों और 350 से अधिक स्टार्टअप्स को एक मंच पर ला रहा है, जिसमें 90 से अधिक देशों की भागीदारी है। कनेक्टिंग क्रिएटर्स, कनेक्टिंग कंट्रीज टैगलाइन वाले इस सम्मेलन का उद्देश्य एंटरटेनमेंट और मीडिया इंडस्ट्री को ग्लोबल स्तर पर बढ़ावा देने है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह सम्मेलन एक वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रख रहा है, जहां कलाकार, निवेशक और नीति निर्माता एक साथ मिलकर काम कर सकते हैं. उन्होंने वेव्स को सिर्फ़ एक संक्षिप्त शब्द नहीं, बल्कि संस्कृति, रचनात्मकता और वैश्विक संपर्क की एक लहर बताया. उन्होंने इस मंच को हर कलाकार और क्रिएटर के लिए समर्पित बताया, जहां नए विचारों और रचनात्मकता को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने भारतीय सिनेमा के इतिहास का भी उल्लेख किया. उन्होंने याद दिलाया कि कैसे 112 साल पहले, 3 मई 1913 को, दादासाहेब फाल्के की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज़ हुई थी। उन्होंने कहा कि बीते एक सदी में भारतीय सिनेमा ने देश को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाया है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज वेव्स में इस मंच पर हमनें भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया. बीते सालों में मैं कभी गेमिंग की दुनिया के, कभी संगीत की दुनिया के लोगों से, कभी फिल्म निर्माताओं से, कभी स्क्रीन पर चमकने वाले चेहरों से मिला. इन चर्चाओं में अक्सर भारत की रचनात्मकता, और वैश्विक सहयोग की बातें उठती थीं. लाल किले से मैंने सबका प्रयास की बात कही है. आज मेरा ये विश्वास और पक्का हो गया है कि आप सभी का प्रयास आने वाले सालों में वेव्स को नई ऊंचाई देगा।

दृष्टि एवं श्रवण बाधित बच्चों के लिए शिक्षा का सफर अब होगा आसानः विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने रायपुर और बिलासपुर के डे-स्कॉलर विशेष बच्चों के लिए निःशुल्क बस सेवा का किया शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास परिसर से दृष्टि एवं श्रवण बाधित बच्चों को एक बड़ी सौगात देते हुए दो विशेष बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये बसें रायपुर और बिलासपुर स्थित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित विद्यालयों में अध्ययनरत डे-स्कॉलर बच्चों को प्रतिदिन निःशुल्क घर से स्कूल और स्कूल से घर तक पहुंचाएंगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह सुविधा विशेष बच्चों के लिए न केवल सुगम और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करेगी, बल्कि उनके आत्मविश्वास, शिक्षा की निरंतरता और सामाजिक समावेश को भी मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल उन माता-पिता के लिए भी राहत लेकर आएगी, जो अपने बच्चों की दैनिक आवाजाही को लेकर चिंतित रहते हैं, विशेष रूप से जब दोनों अभिभावक कार्यरत हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि हर विशेष आवश्यकता वाले बच्चे तक पहुँचा जाए और उन्हें एक बेहतर जीवन देने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। यह बस सेवा केवल परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि विशेष बच्चों के जीवन में बदलाव लाने का माध्यम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा तक पहुंच सभी बच्चों का अधिकार है और सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि किसी भी शारीरिक बाधा के कारण कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

उल्लेखनीय है कि इन विशेष बसों के संचालन से रायपुर और बिलासपुर के सैकड़ों दृष्टि एवं श्रवण बाधित बच्चों को प्रतिदिन सम्मानजनक और सुरक्षित यात्रा का अवसर मिलेगा, जिससे वे मुख्यधारा की शिक्षा से सहज रूप से जुड़ सकेंगे।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक श्री भूलन सिंह मरावी एवं समाज कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

पहलगाम आतंकी हमले पर गृहमंत्री अमित शाह की चेतावनी, बोले- चुन-चुनकर बदला लिया जाएगा

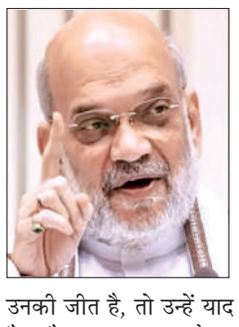

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकवाद के हर कृत्य का उचित और सटीक जवाब देगा।

22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्रीय गृह मंत्री की यह पहली सार्वजनिक टिप्पणी है। उन्होंने कहा, अगर कोई सोचता है कि कायरतापूर्ण हमला उनकी जीत है, तो उन्हें याद रखना चाहिए कि यह नरेंद्र मोदी का भारत है, और एक-एक करके बदला लिया जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चाहे उत्तर पूर्व हो, वामपंथी उग्रवाद का क्षेत्र हो या चाहे कश्मीर पर पड़ी आतंकवाद की छाया हो, हर चीज का हमने मजबूती के साथ जवाब दिया है।

'आप सुरक्षा बलों का मनोबल गिराना चाहते हैं?'

पहलगाम हमले पर जनहित याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले की न्यायिक जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है. बता दें कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए इस हमले में 26 लोग मारे गए थे.

जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने पहलगाम हमले की जांच की निगरानी के लिए रिटायर जज की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं की आलोचना की और कहा कि रिटायर जज एक्स्पर्ट नहीं होते. पीठ ने कहा, इस महत्वपूर्ण समय में देश के हर नागरिक ने आतंकवाद से लड़ने के लिए हाथ मिलाया है. क्या आप इस तरह की जनहित याचिका दायर करके सुरक्षा बलों का मनोबल गिराना चाहते हैं. इस तरह के मुद्दे को न्यायिक क्षेत्र में न लाएं.

याचिकाकर्ता फतेह कुमार साहू और अन्य को जनहित याचिका वापस लेने के लिए कहा गया. सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे इस मुद्दे की संवेदनशीलता को समझें और अदालत में ऐसी कोई अपील न करें, जिससे सुरक्षा बलों का मनोबल गिरे. पीठ ने याचिकाकर्ताओं में से एक से कहा, आप रिटायर सुप्रीम कोर्ट के जज से जांच करने के लिए कह रहे हैं. वे जांच के विशेषज्ञ नहीं हैं।

बाबा रामदेव ने नहीं माना दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश, कोर्ट ने कहा- किसी के नियंत्रण में नहीं

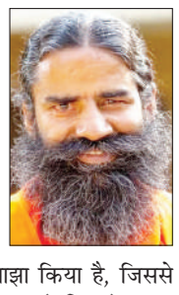

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को योग गुरु बाबा रामदेव को फटकार लगाते हुए अवमानना का नोटिस जारी करने की बात कही है। कोर्ट ने रामदेव को हमदर्द रूहअफजा मामले में हलफनामा दाखिल करने और विवादित टिप्पणी वाला वीडियो सोशल मीडिया से हटाने को कहा था। गुरुवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अमित बंसल को बताया गया कि रामदेव ने एक बार फिर हमदर्द के रूहअफजा के खिलाफ वीडियो फिर साझा किया है, जिससे न्यायाधीश नाराज हो गए। न्यायमूर्ति बंसल ने कहा, पतंजलि संस्थापक का आचरण यह दर्शाता है कि उनका किसी पर नियंत्रण नहीं है और वे अपनी ही दुनिया में जीते हैं। पिछले आदेश के मद्देनजर, उनका हलफनामा और यह वीडियो प्रथम दृष्टया अवमानना के दायरे में आते हैं। मैं अब अवमानना नोटिस जारी करूंगा। हम उन्हें सिर्फ यहां बुला रहे हैं।

आतंकवादी तहव्वुर राणा के वॉइस सैंपल का लिया जाएगा नमूना, कोर्ट ने दी इजाजत

नई दिल्ली (आरएनएस)। पटियाला हाउस कोर्ट ने 26/11 आतंकवादी हमले के आतंकी तहव्वुर राणा की वॉइस सैंपल और लिखावट के नमूने लेने की इजाजत दे दी है। एनआईए ने कोर्ट में अर्जी इसे लेकर अर्जी दाखिल की थी, जिसमें एनआईए ने तहव्वुर राणा की वॉइस सैंपल और लिखावट के नमूने लेने की इजाजत मांगी थी। बता दें कि आतंकी तहव्वुर राणा फिलहाल 12 दिन की एनआईए की हिरासत में है। बता दें कि इससे पहले एनआईए कोर्ट ने 26/11 आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की हिरासत 12 दिन के लिए बढ़ा दी थी। बता दें कि तहव्वुर राणा को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से ले जाया गया था। यहां राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कोर्ट ने उसकी हिरासत अवधि 12 दिन के लिए बढ़ा दी।

26/11 मुंबई हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में तहव्वुर हुसैन राणा अहम नाम है। उसे मुंबई हमले के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली का करीबी माना जाता है।

पाकिस्तानी सेना ने लगातार 7वें दिन भी किया सीजफायर का उल्लंघन, एलओसी पर गोलीबारी

नईदिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तानी सेना द्वारा नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर लगातार सातवीं रात संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया है. जम्मू-कश्मीर के तीन सीमावर्ती जिलों में बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की गई है, जिसका भारतीय जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया है. यह गोलीबारी सिर्फ़ एलओसी तक सीमित नहीं रही, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर भी हुई. विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान का मुख्य उद्देश्य आतंकवादियों की घुसपैठ को आसान बनाना है. गोलीबारी की आड़ में आतंकवादी सीमा पार कर सकते हैं, और भारतीय सुरक्षाबलों का ध्यान भंग हो सकता है. यह अंदेशा और भी बढ़ जाता है क्योंकि पाकिस्तानी सेना ने कई अग्रिम चौकियों पर अपने झंडे उतार दिए हैं और युद्ध की आशंका में अग्रिम इलाकों में तोपखाने और टैंक तैनात कर दिए हैं। यह गोलीबारी पहलगाम नरसंहार के बाद केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कूटनीतिक कदमों के प्रति पाकिस्तान की हताशा को दर्शाती है.

अजमेर के होटल में लगी भीषण आग, एक बच्चे सहित 4 लोग जिंदा जले, 3 गंभीर

अजमेर (आरएनएस)। शहर के डिग्गी बाजार इलाके के एक होटल में अलसुबह भीषण आग लग गई. इस हादसे में 4 लोग बुरी तरह झुलस गए, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई है. डिग्गी बाजार स्थित नाज होटल में सुबह करीब 8 बजे आग लगी. देखते ही देखते आग होटल की 5वीं मंजिल तक पहुंच गई, जिससे लोगों को होटल से बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला. इस दौरान एक मां ने अपने बच्चे को आग से बचाने के लिए होटल की खिड़की से नीचे फेंक दिया. होटल में बड़ी संख्या में जायरीन ठहरे हुए थे. कई लोगों ने खिड़कियों से कूदकर अपनी जान बचाई.

अजमेर पुलिस रेंज में डीआईजी ओम प्रकाश ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने के बाद ही तत्काल प्रशासन और पुलिस की ओर से रेस्क्यू अभियान चलाया गया. इसमें दमकल और नागरिक सुरक्षा से जुड़े हुए जवान भी मौजूद थे. उन्होंने बताया कि होटल से कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है.

सुमतिधाम में पट्टाचार्य महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन, हजारों श्रद्धालु बने ऐतिहासिक क्षण के साक्षी

विधि, अभ्यास और गुरु को कभी नहीं छोड़ना चाहिए : पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। रेखा संजय जैन जी ने अवगत कराया की, अक्षय तृतीया के विशेष अबूझ मुहूर्त में 12 आचार्यों ने हाथ थामकर जैसे ही आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज को पट्टाचार्य सिंहासन पर विराजित किया, पूरा पंडाल शंखनाद, नगाड़ों, घंटियों, ढोल-मंजीरों और लाखों श्रद्धालुओं की तालियों की गूंज से गूंजायमान हो उठा। दक्षिण दिशा से आए भट्टारक स्वामी जी ने मंत्रोच्चार किया, वहीं मुनि महाराज और आर्यिकाओं ने पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और नमोस्तु कहा।

श्री सुमतिनाथ दिगंबर जिनालय, गोधा एस्टेट, पट्टाचार्य महोत्सव समिति, गुरु भक्त परिवार एवं मनीष-सपना गोधा ने बताया कि 6 दिवसीय पट्टाचार्य महोत्सव का मुख्य आयोजन अत्यंत भव्यता एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रात: काल मंगल यात्रा निकाली गई, जिसके लिए अनुयायियों और धर्मालंबियों ने सुबह पांच बजे से ही अपने स्थान ग्रहण कर लिए थे। सात बजे के बाद निर्धारित मुहूर्त में विशेष मंत्रोच्चारण प्रारंभ हुआ। अष्टकुमारियों ने कलश स्थापना की। पट्टाचार्यों ने भूमि शुद्धि की। गोधा एस्टेट के गुरुभक्त मनीष और सपना गोधा ने पवित्र नदियों से लाया गया जल, गंधोदक और चंदन से सिंहासन का शुद्धिकरण किया। इसके पश्चात 12 आचार्यों ने सामूहिक रूप से हाथ थामकर आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज को पट्टाचार्य सिंहासन पर विराजित कर उन्हें पथप्रदर्शक के रूप में स्वीकार करते हुए अनुमोदना और सहमति प्रकट की।

स्वर्ण-रजत कलश जल से हुआ पाद प्रक्षालन- सुमतिनाथ दिगंबर जिनालय, गोधा स्टेट में उस क्षण ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो समय ठहर गया हो। दसों दिशाओं के साथ क्षेत्रपालों का आह्वान किया गया। वायुकुमार, मेघकुमार, अग्निकुमार के नाम के अर्घ्य चढ़ाकर उन्हें आमंत्रित कर प्रतिष्ठित किया गया।

इस अद्वितीय, ऐतिहासिक क्षण में 12 आचार्य, 8 उपाध्याय, 140 मुनि महाराजों व आर्यिका माताजी ने अपने पट्टाचार्य को सम्मानपूर्वक स्थापित किया। मनीष-सपना गोधा ने स्वर्ण-रजत कलश जल से पट्टाचार्य पद पर विराजमान आचार्य विशुद्ध सागर जी के चरणों का पाद प्रक्षालन किया और उस जल को श्रद्धापूर्वक अपने मस्तक से लगाया। सभी मुनि महाराज और आर्यिकाओं ने भी वह जल मस्तक से लगाकर आशीर्वाद ग्रहण किया।

जन्मदिवस पर पहुंचे मंत्री कैलाश विजयवर्गीय

अपने जन्मदिवस पर नगर प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सुमतिधाम पहुंचे और पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि इंदौर में मैंने इतने साधु-संतों का एक साथ ऐसा भव्य समागम पहले कभी नहीं देखा। यह दृश्य अविस्मरणीय और गौरवपूर्ण है। मां अहिल्या की नगरी आज पुण्यभूमि बन गई है। आज देश में बढ़ती अशांति और हिंसा को संतों की साधना और तप ही रोक सकते हैं। जब तक इस धरती पर पानी और अग्नि हैं, तब तक जिन शासन रहेगा। आप सभी संत समाज को शांति और अहिंसा का मार्ग दिखाएं।

गुरु के आदेश का शिष्यों ने किया पालन- अक्षय तृतीया के इस शुभ अवसर पर आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज को पट्टाचार्य उपाधि गणाचार्य विराग सागर जी की आज्ञा से प्रदान की गई। शिष्यों ने अपने गुरु की आज्ञा को न केवल सुना, बल्कि उसे अक्षरश: पालन करते हुए पट्टाचार्य पदवी प्रदान की।

विधानाचार्य धर्मचंद्र शास्त्री, चंद्रकांत ईंडी, नितिन झांझरी के निर्देशन में प्रात: 5:15 बजे स्तुति, देव स्तवन, आचार्य वंदना एवं स्वाध्याय के पश्चात 6 बजे अभिषेक व शांतिधारा की विधियां संपन्न हुईं। प्रात: 6:30 बजे मंगल जुलूस परिसर में निकाला गया। 36 संस्कार विधियों के अंतर्गत पट्टाचार्य पद प्रतिष्ठा संस्कार समारोह संपन्न हुआ। इसमें कलश स्थापना, भूमि शुद्धि, स्थान शुद्धि, सिंहासन शुद्धि के पश्चात समाज व गुरु भक्तों के निवेदन को स्वीकार करते हुए विशुद्ध सागर महाराज को सिंहासन पर विराजमान किया गया। दीप स्थापना एवं पीठ शुद्धि के साथ पट्टाचार्य पद के माता-पिता बनने का सौभाग्य सपना-मनीष गोधा परिवार को प्राप्त हुआ। रात्रि में महाआरती, लेजर शो और सम्राट खारवेल नाटिका का भव्य मंचन हुआ, जिसे जैन धर्मालंबियों ने अत्यंत सराहा।

पट्टाचार्य का पहला आशीर्वचन- विधि, अभ्यास और गुरु को कभी नहीं छोड़ना चाहिए- पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज- उन्होंने कहा कि गुरुदेव ने मुझमें क्या देखा, यह मुझे नहीं पता। मैंने केवल गुरु सेवा और उनकी आज्ञा को देखा और उसी मार्ग पर चलता गया। आज भी यह जिम्मेदारी उसी आज्ञा से संभाल रहा हूं। मुझे याद है, मेरे गुरुदेव ने मेरे भीतर वैराग्य के बीज को पहचाना और एक झलक में ही वह प्रस्फुटित हो उठा। आगम कहता है कि एक बार जिसे गुरु मान लिया जाए, वह जीवन भर गुरु ही रहना चाहिए। दीक्षा के बाद मैंने एक दिन भी गुरु कक्ष छोड़ा नहीं। मैंने संकल्प लिया था कि गुरु के सामने कभी लेटूंगा नहीं, न ही खांसूंगा। एक रात 3 बजे गुरुदेव की पिच्छी मेरे सिर पर घूम रही थी, उन्होंने कहा कि जाग जाओ, सोने की जरूरत नहीं है, जिनागम का रहस्य समझो। उस समय तो समझ नहीं आया, लेकिन आज समझ आ रहा है कि वे मुझे इस दायित्व के लिए तैयार कर रहे थे।

यदि मुझसे कोई पूछे कि आप इस पद तक कैसे पहुंचे तो मेरा उत्तर होगा- विधि, अभ्यास और गुरु का आशीर्वाद कभी नहीं छोड़ना चाहिए। आज इस सिंहासन पर जो प्रतिष्ठा हुई है, वह अकेले मेरी नहीं है, सभी 12 आचार्यों को मिलकर इस पद के कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा। -**अभिषेक अशोक पाटील**

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, शुक्रवार 02 मई 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

खुर्सीपार में संचालित अवैध खटालों को हटाने का नोटिस जारी किया गया

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्र. 04 खुर्सीपार अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र में वार्ड 44 एवं 45 क्रं. अमर

धरम काटा में अवैध खटाल संचालित करने वालो को नोटिस तामिल करवाया गया। उनके द्वारा भारी मात्रा में गोबर व गंदगी इक्ट्ठा कर नाली में बहाया जा रहा था। जिससे नाली जाम हो रहा था। पानी निकासी में समस्या आ रही थी। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय को जब यह ज्ञात हुआ तब उन्होने स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को निर्देशित किए कि मौके पर जाकर निरीक्षण करवायें। निरीक्षण में यह पाया गया कि खटाल संचालक द्वारा अपने खटाल का गोबर, मल मूत्र, गंदगी एवं सड़ा हुआ भूसा को सड़क पर फैलाया जा रहा है। जिससे आस-पास के रहवासियों को परेशानी एवं गंदगी का सामना करना पड़ रहा था। 19 खटालों को नोटिस जारी किया गया कि अवैध खटाल जगह से हटा लें। सभी खटालों को गोकुल नगर में व्यवस्थापित किया जाएगा। समय अवधि के अंदर जो लोग खटाल नहीं हटाएंगे उनके ऊपर नगर निगम अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। प्राप्त अधिकारों के अनुसार रिहायसी क्षेत्र में सार्वजनिक सुरक्षा के अंतर्गत लोक न्यूसेंस फैलाने के कारण दण्ड प्रक्रिया की संहिता की धारा 133 के तहत अपराध दर्ज करने की कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी। नोटिस तामिली के दौरान उपस्थित रहे बोधन साहू, धनेश्वर पाटले, नरेंद्र भारती उपस्थित रहे।

भारत निर्वाचन आयोग की तीन नई पहलें, निर्वाचक नामावलियों को अपडेट करने मृत्यु पंजीकरण का डेटा इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त किया जाएगा

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचक नामावलियों की सटीकता में सुधार लाने तथा नागरिकों के लिए मतदान प्रक्रिया को और अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से नई पहल की है। ये उपाय भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार द्वारा निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में इसी वर्ष मार्च में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान परिकल्पित पहलों के अनुरूप हैं। आयोग अब निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के नियम 9 और जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 (वर्ष 2023 में यथा-संशोधित) की धारा 3(5) (ख) के अनुरूप भारत के महापंजीयक से मृत्यु पंजीकरण का डेटा इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त करेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को पंजीकृत मौतों के बारे में समय पर जानकारी मिले। इससे बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) भी फॉर्म 7 के तहत औपचारिक अनुरोध की प्रतीक्षा किए बिना, फील्ड विजिट के माध्यम से जानकारी को फिर से सत्यापित करने में सक्षम होंगे। मतदाता सूचना पर्ची (वीआईएस) को मतदाताओं के लिए अधिक अनुकूल बनाने के लिए आयोग ने इसके डिजाइन में भी सुधार करने का फैसला किया है। मतदाता की क्रम संख्या और भाग संख्या अब अधिक प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएंगी, साथ ही फ़ॉन्ट का आकार भी बढ़ाया जाएगा जिससे मतदाताओं के लिए अपने मतदान केंद्र की पहचान करना आसान हो जाएगा और मतदान अधिकारियों के लिए निर्वाचक नामावली में उनके नाम को कुशलतापूर्वक ढूंढना आसान हो जाएगा।

सोलेशियम योजनांतर्गत 22 लाख रूपए से अधिक सहायता राशि स्वीकृत

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। सोलेशियम योजना (हिट एंड रन) अंतर्गत आर्थिक सहायता राशि मृतक के निकट एवं पीड़ितों को मुआवजा राशि प्रदान किया गया। योजना के तहत 1जनवरी 2025 से 1 मई 2025 तक 12 लोगों को 22 लाख 25 हजार मुआवजा राशि प्रदान किया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार चंद्रकांत साहू पिता दयालु साहू निवासी रिसदा तहसील बलौदाबाजार 2 लाख रूपए, योगेश्वरी पति दिलहरण साहू निवासी अमेरा तहसील पलारी 2 लाख रूपए, पुनूराम साहू पिता रामजी साहू निवासी ग्राम लवनबंद तहसील लवन 2 लाख रूपए, ममता गेंडरे पति देवादास गेंडरे निवासी डोकला 25 हजार रूपए, टालेश्वरी पति स्व. नीलकंठ ध्रुव निवासी ग्राम सेमराडीह तहसील बलौदाबाजार 2 लाख रूपए, राही बाई पति गुहाराम निवासी वार्ड क. 05 शंकर नगर सिमगा तहसील सिमगा 2 लाख रूपए, पुषन बाई पति मोहन निषाद निवासी ग्राम नवागांव तहसील सिमगा 2 लाख रूपए, सुनीता पति राजेन्द्र निवासी सीलदाग तहसील छतरपुर जिला पलामू झारखण्ड 2 लाख रूपए, रजवंतीन पति संतोष साहू निवासी ग्राम कामता तहसील सिमगा 2 लाख रूपए, रानी कटारे पति रमेश कटारे निवासी के. के. वार्ड भाटापारा तहसील भाटापारा 2 लाख रूपए, सरिता वर्मा पति राजेन्द्र वर्मा निवासी अमलीडीह तहसील भाटापारा 2 लाख रूपए, दुलारी साहू पति सुनील कुमार साहू निवासी ग्राम देवरी तहसील भाटापारा 2 लाख रूपए की मुआवजा राशि प्रदान की गई।

समाज की उन्नति मजदूरों पर निर्भर, श्रमिकों के प्रति आभार जताने का दिन है श्रमिक दिवस : महापौर

श्रमिक दिवस पर महापौर, सभापति, आयुक्त और प्रभारी ने किया सफ़ाई कर्मचारियों किया सम्मान

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम स्वच्छता दीदी एवं सफाई अंतराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में नगर निगम में श्रमिक दिवस पर सफाई कर्मियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था।इस कार्यक्रम में महापौर श्रीमती अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त सुमित अग्रवाल, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल पहुँचे। महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने अंतराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर अपने विचार रखे और बेहतर कार्य करने वाले स्वच्छता दीदियों सहित सफाई कामगारों को गुलाब का फूल, श्रीफल देकर सम्मानित किया।इस सम्मान को पाकर सभी सफाई कर्मचारी उत्साहित दिखाई दिए।

अंतराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती अलका बाघमार एवं सभापति श्याम शर्मा ने सभी को श्रमिक दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी और नगर निगम की पहचान इन्ही स्वच्छता दीदी व सफाई कामगारों से होने की बात कहकर सफाई कर्मियों की हौसला अफ़जाई की। महापौर का कहना कि निगम सफाई कामगारों ने शहर को स्वच्छ रखकर नगर निगम का मान बढ़ाते है इसलिए अपने इस कार्य को यूंही जारी रखें और बेहतर कार्य करें।सभापति श्याम शर्मा ने भी स्वच्छता दीदी और सफाई कर्मियों की हौसला अफजाई की और उन्हें सम्मानित भी किया।

महापौर ने मजदूरों को श्रीफल, गुलाब देकर सम्मान किया। कहा कि मजदूर का हमारे समाज में बहुत महत्व है हमारे समाज की आर्थिक उन्नति मजदूर पर निर्भर है यह दिन श्रमिकों और श्रमिक वर्ग के लोगों के लिए समर्पित दिन है।इससे मनाने का उद्देश्य श्रमिक वर्ग के प्रति अपना आभार व्यक्त करना है।

इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि दुनियाभर में श्रमिक जीवित रहने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं मजदूर दिवस के रूप में आज का विशेष दिन उनके मेहनत और दृढ़ संकल्प को मनाने के लिए समर्पित किया गया है इस अवसर पर एमआईसी सदस्य देवनारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोसरे, मनीष साहू, लीलाधर पाल, हर्षिका जैन, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा सहित पार्षदगण मौजूद रहें।

मजदूर दिवस पर आश्रय स्थल में निवासरत मजदूरों का बनाया गया मजदूर एवं राशनकार्ड

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। आज मजदूर दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई के आश्रय स्थल में निवासरत मजदूरो का मजदूर कार्ड एवं राशनकार्ड बनाया गया। नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय आश्रय स्थल का निरीक्षण करने गए। वहां पर निवासरत लोगों ने बताया कि कुछ लोगो के पास राशनकार्ड एवं मजूदर कार्ड नहीं है। जबकि वे घरो में बर्तन धोना, झाडू पोछा आदि का काम करते है। आयुक्त द्वारा राशनकार्ड विभाग को निर्देशित किया गया कि सभी का राशनकार्ड एवं मजूदर कार्ड शीध्र बनवा दिया जाए। 3 मजदूर श्रीमती प्रिया भोंडेकर, रेखा ठाकरे, मुरली डोंगरे का राशन कार्ड नही बना था, जिसे बनवाकर दे दिया गया। उसी प्रकार 4 मजदूर श्रीमती राजवती, युवराज कुमार, मोहन, मंडावी, शोभा साहू जिनके पास मजदूर कार्ड नहीं था। जिसके कारण इनका राशन कार्ड नहीं बन पा रहा था। जिनका मजूदर कार्ड नहीं था उनका मजदूर कार्ड बनाने के लिए आनलाईन आवेदन कर दिया गया है। मजदूर कार्ड बन जाने के बाद उसी के आधार पर राशनकार्ड बना दिया जायेगा।

आयुक्त ने राशनकार्ड प्रभारी शालिनी गुरव एवं शशीभूषण मोहंती से पूछा कि इसका राशन कार्ड निरस्त क्यों हो रहा है। इसका पता जब खादय विभाग से किया गया तब ज्ञात हुआ कि मुरली डोंगरे का नाम उनके बेटे के साथ दुर्ग में जुड़ा हुआ है। बेटे के द्वारा दुर्ग में पिता के हिस्से का राशन लिया जा रहा था, लेकिन अपने साथ नहीं रखता है। ऐसे लोग निगम के आश्रय स्थल में रहकर अपना गुजर-बसर कर रहे है। खादय विभाग से संपर्क करके मुरली डोंगरे का नाम बेटे के साथ जुड़ा था उसे कटवा दिया गया। फिर उसके स्वयं के नाम से राशन कार्ड बना दिया गया। स्वास्थ्य विभाग के 450 से अधिक मजदूरो का आज मेडिकल चेकप कराया गया। जिसमें बीपी, सुगर, थाईराइड, अस्थमा, खून जॉच एवं अन्य बिमारियों का जॉच कराया गया, उन्हे दवा भी वितरित की गई। मजदूरो ने यह भी बताया कि जब से निगम भिलाई मे हम लोगो की डयूटी समय सुबह 5 बजे से कर दिया गया है तब से हम लोगो को गर्मी से बहुत राहत मिल रही है। 1 घंटा पहले हमे अवकाश मिल जाता है। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, अनिल मिश्रा, बीरेन्द्र बंजारे, हेमंत मांझी, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक व्ही के सेमुवल, कमलेश द्विवेदी, अंजनी सिंह आदि सहयोगी रहे।

महापौर ने घटनास्थल का निरीक्षण कर तत्काल पेड़ हटाने के दिए निर्देश

दुर्ग (विश्व परिवार)। दुर्ग में आंधी-तूफान के कहर के कारण नया बस स्टैंड के पास 100 साल पुराना नीम का पेड़ गिर गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कई राहगीर बाल-बाल बच गए, लेकिन पेड़ के नीचे खड़ी एक कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। पेड़ को कटर से काटा जा रहा है। पेड़ गिरने से कई बिजली के खंभे भी गिर गए, जिससे रोड ब्लॉक हो गया और यातायात प्रभावित हुआ।यातायात पुलिस बल द्वारा यातायात व्यवस्था बनाया गया।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार व एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर,काशीराम कोसरे,मनीष साहू ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और तत्काल पेड़ हटाने के निर्देश दिए। आंधी-तूफान के कारण शहर में कई जगहों पर पेड़ और बिजली के खंभे गिरने की खबरें आई हैं। निगम प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुट गया है और यातायात को सामान्य बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पेड़ गिरने से रोड ब्लॉक, कई बिजली के खंभे गिरे, यातायात प्रभावि- कार क्षतिग्रस्त। निगम प्रशासन पेड़ को काटकर हटाया जाने की कार्रवाई को जा रही है।महापौर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तत्काल पेड़ हटाने के निर्देश,राहत और बचाव कार्य जारी सड़क मार्ग को क्लियर किया गया।जन संपर्क विभाग।

ड्रायविंग लायसेंस बनवाने हेतु शिविर 3 एवं 4 मई को

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। राज्य शासन के निर्देश पर जिले में सुशासन तिहार 2025 के तहत आम नागरिकों द्वारा ड्रायविंग लायसेंस से संबंधित मांग का त्वरित निराकरण हेतु परिवहन सुविधा केन्द्र में 3 एवं 4 मई 2025 को प्रात: 9 बजे से शिविर का आयोजन किया जाएगा। जनपद कार्यालय बलौदाबाजार, भाटापारा, पलारी, कसडोल एवं सिमगा में परिवहन सुविधा केन्द्र के माध्यम से लर्निंग लायसेंस बनाने शिविर लगायी जायेगी।

भीषण गर्मी में पशुओं से भारवाहन एवं सवारी परिवहन 30 जून तक प्रतिबंधित

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिले में भीषण गर्मी एवं तेज धूप की स्थिति को देखते हुए पशुओं की सहायता से चलने वाली गाड़ियों पर वजन ढोने एवं सवारी ले जाने पर जिला प्रशासन द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है।

पशु क्रूरता निवारण परिवहन तथा कृषि पशुओं पर क्रूरता निवारण नियम 1965 के 6 (3) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। जिसमें कृषि पशुओं दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच तांगे, बैलगाड़ी, भैंसागाड़ी, ऊंटगाड़ी, खच्चर, टट्टू गाड़ी एवं गधे पर भारी वजन ढोने पर 30 जून 2025 तक प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही कृषक कार्य करने पूर्व एवं पश्चात पशुओं को पर्याप्त मात्रा में चारा पानी प्रदान करने के निर्देश दिए है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर

निविदा सूचना

क्र 4/नपानि / जोन-4/लो.क.पि./2025 — रायपुर दिनाक 01.05.2025

आयुक्त नगर पालिक निगम, रायपुर की ओर से प्रस्तावित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों दो लिफाफा पद्धति प्रथम में अमानती, अन्य कागजात एवं द्वितीय में निविदा प्रपत्र में सील बंद निविदाय स्पीड पोस्ट से नियमानुसार आमंत्रित की जाती है :-

1. आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 13.05.2025 को साम 5.30 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि - 15.05.2025 को साम 6.30 बजे तक
3 निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 21.05.2025 को रायं 4: 00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि - 21.05.2025 को रायं 4: 30 बजे तक

क्र.	कार्य का विवरण	प्राक्लन (लाख में) राशि	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मुल्य	ठेकेदार की श्रेणी	अवधि	निविदा प्रपत्र	एस.ओ. आर. /नॉन एस.ओ.आर.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	सिविल लाईन वार्ड क्र. 46 एवं पं. भगवती चरण शुक्ल वार्ड क्र. 57 अंतर्गत खुले चेम्बर में ढक्कन लगाने एवं गढ्डे भरने का कार्य । (मरम्मत संधारण)	3.94	4000.00	750.00	"ड़ी" श्रेणी एवं उसमे उपर	2 माह	निविदा प्रपत्र अ	पी.डब्ल्यू.डी. भवन / नॉन एसओआर भवन दिनांक 01/01/2015
2	डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड क्र. 64 अंतर्गत सीसी नाली का निर्माण कार्य सुशासन तिहारी - 2025 में में प्राप्त शिकायत एवं मार्ग हेतु (मरम्मत संधारण मद)	3.99	4000.00	750.00	"ड़ी" श्रेणी एवं उसमे उपर	2 माह	निविदा प्रपत्र अ	पी.डब्ल्यू.डी. भवन / नॉन एसओआर भवन दिनांक 01/01/2015
3.	डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड क्र. 64 अंतर्गत रोड निर्माण एवं मरम्मत कार्य सुशासन तिहारी - 2025 में में प्राप्त शिकायत एवं मार्ग हेतु (मरम्मत संधारण मद)	3.97	4000.00	750.00	"ड़ी" श्रेणी एवं उसमे उपर	2 माह	निविदा प्रपत्र अ	पी.डब्ल्यू.डी. भवन / नॉन एसओआर भवन दिनांक 01/01/2015
4.	पं. भगवती चरण शुक्ल वार्ड क्र. 57 अंतर्गत अरविंद नगर में उड़िया बस्ती में पुलिया मरम्मत कार्य ।	3.80	4000.00	750.00	"ड़ी" श्रेणी एवं उसमे उपर	2 माह	निविदा प्रपत्र अ	पी.डब्ल्यू.डी. भवन / नॉन एसओआर भवन दिनांक 01/01/2015
5.	पं. भगवती चरण शुक्ल वार्ड क्र. 57 अंतर्गत अरविंद नगर में चपरासी कॉलोनी के पास पुलिया एवं नाली मरम्मत कार्य ।	3.80	4000.00	750.00	"ड़ी" श्रेणी एवं उसमे उपर	2 माह	निविदा प्रपत्र अ	पी.डब्ल्यू.डी. भवन / नॉन एसओआर भवन दिनांक 01/01/2015

नोट- 1. निविदा से संबंधित दस्तावेज/ग पीलब्ध्यूची का जीवित पंजीयन प्रमान पत्र/जीएसटी पंजीयन प्रमाण पत्र/पेन कार्ड/विगत 13 साल का इनकम टैक्स रिटर्न (नवीन पंजीकृत ठेकेदार/फर्म के लिये यह लागू नहीं होगा)/ विगत 03 नाह का जीएसटी रिटर्न/रामि रू. 100/- का शपथ पत्र (निविदा जारी होने के बाद नोटराईजन) / रागि 200 लाख से अधिक के कार्यों को लिये कम से कम 15 प्रतिशत तक जीवित बैंक सॉल्वेंशी स्वीकार किया जायेगा। (राष्ट्रीयकृत बैंक का अमानती राशि (एफ. डी. आर. के रूप में)आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा। (लिफाफा निविदा जारीकर्तो अधिकारी के नाम से पोस्ट किया जावे) निर्धारित अवधि में यदि किसी दिन अवकाश होता है, तो उल्लेखित कार्यवाही अगले कार्य दिवस पर सम्पन्न की जावेगी।
2. निविदा से संबंधीत नियम एवं अन्य कर्त जोन कमांका 4 कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकती है।
3 उक्त निविदा नगर निगम के वेबसाईट **nagar nigam raipur.nic.in** में देखी जा सकती है।
4. निविदा अतर्गत (3rd Party Inspection) की राशि का भुगतान ठेकेदार द्वारा किया जायेगा जो कि कुल स्वीकृत गतिपतिशत एवं जीएसटी अतिरिक्त होगा।

जोन कमिश्नर
जोन कमांक 4
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20474/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 01-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20474
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801L01161** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARMEET KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TRILOCHAN SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ASHA MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. RAMNARAYAN MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र सहमति पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र एवं हाउसिंग बोर्ड द्वारा नामांतरण आदेश** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **सामान्य आवास योजनान्तर्गत शंकर नगर, रायपुर** में स्थित भवन **क्रमांक-एल.आई.जी. 158, सेक्टर-02, श्री मुकेश अठवानी पिता स्व. शीतल दास अठवानी** को इस कार्यालय का **नामांतरण आदेश क्र. -1377 दि. 28.02.2018** के माध्यम से नामांतरित है।

वर्तमान में नामांतरी **श्री मुकेश अठवानी पिता स्व. शीतल दास अठवानी,** की मृत्यु **दिनांक 01.08.2024** को हो जाने के कारण उनकी पत्नी **श्रीमती भावना अठवानी पति स्व. मुकेश अठवानी, निवासी एल.आई.जी.-158, सेक्टर-02, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु निर्धारित आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, अन्य वारिसानों का सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उपरोक्त भवन को उनकी **पत्नी श्रीमती भावना अठवानी पति स्व. मुकेश अठवानी,** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: उक्त भवन के नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./11868/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2025
रायपुर, दिनांक 28-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11868
वार्ड का नाम- 18 - बाल गंगाधर तिलक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR110E00081** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAGDISH CHAWDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RANCHOD BHAI CHAWDA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VIDHYA CHAWDA W/O LATE SHRI JAGDISH BHAI CHAWDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. JIGISHA SOLANKI W/O DIPESH SOLANKI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./17979/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 01-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17979
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235J00354** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHRI ALOK AGARWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI MURLI AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANAH BAZAZ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **D/O LT. MURLI DHAR AGARWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./20577/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 01-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20577
वार्ड का नाम-40-ठाकुर प्यारेलाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 40 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR560C00258** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती SUDHA BARVE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NAGEE BARVE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUDHANSHU BARWAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NAGENDRA BARWAY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./20576/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 01-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20576
वार्ड का नाम-40-ठाकुर प्यारेलाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 40 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR560D0181A** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती BASANT RAO BODGE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. GOPAL RAO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. YOGESH KUMAR DEWANGAN 2. RADHIKA DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAKHAN LAL DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./19889/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2025
रायपुर, दिनांक 29-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19889
वार्ड का नाम-25-संतराम दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818F00832** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DUKHIT RAM YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHAKHURAM YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUYASH VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SATISH VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./20521 /न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 30-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20521
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235J00307** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MRINAL AGRAWAL**पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O PRAFUL AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री श्याम बिहारी अग्रवाल - पिता स्व. हरभूषण लाल अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. श्री रमाशंकर अग्रवाल - पिता श्री जी. के. अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.vishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@yahoo.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शुक्रवार 02 मई 2025

किसी भी विभाग के लंबित न रहे आवेदन, त्वरित करें निराकरण

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी जनसामान्य की समस्याएं

रायगढ(विश्व परिवार)। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने सृजन सभा कक्ष में आयोजित जनदर्शन में जिले भर से आए जनसामान्य से मुलाकात करते हुए उनकी समस्याओं सुनी। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव, आयुक्त नगर निगम बृजेश सिंह क्षत्रिय, अपर कलेक्टर द्वय रवि राही, अपूर्व प्रियेश टोप्पो, एसडीएम प्रवीण तिवारी, डिप्टी कलेक्टर मती रेखा चंद्रा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जनदर्शन में आज जिले में कार्यरत संविदा एएनएम अपने लंबित वेतन एवं सेवा वृद्धि की मांग को लेकर पहुंचे थे। उन्होंने कलेक्टर चतुर्वेदी को बताया कि उनकी नियुक्ति कोविड के दौरान हुई थी। कोरोना काल में उन्होंने अपनी

सफलतापूर्वक ड्यूटी पूर्ण की इसके अलावा वे राष्ट्रीय कार्यक्रम के सभी कार्यों को संपन्न करने में योगदान दिए, लेकिन उन्हें पूर्व का वेतन अभी तक नहीं मिला है। कलेक्टर चतुर्वेदी ने कहा कि लंबित वेतन का भुगतान कर दिया जाएगा। उन्होंने सीईओ जिला पंचायत यादव को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी तरह खरसोता निवासी नंदलाल भगत पुनरीक्षित पेंशन एवं पेंशन का एरियस के संबंध में आवेदन लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि वे वन क्षेत्रपाल के पद से 2017 में धरमजयगढ़ वन मंडल से सेवा निवृत्त हुए हैं। उनका पुनरीक्षित पेंशन कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक कोष लेखा एवं पेंशन बिलासपुर द्वारा पुनरीक्षित पेंशन स्वीकृत कर वन मंडलाधिकारी धरमजयगढ़ को भेजा गया है, परंतु आज लगभग 1 वर्ष बीत जाने के पश्चात भी उनका पुनरीक्षित पेंशन एवं पेंशन का एरियस वन मंडलाधिकारी द्वारा नहीं बनाया गया है। उन्होंने अपने पुनरीक्षित पेंशन एवं पेंशन का एरियस प्रदान करवाने का निवेदन किया। कलेक्टर चतुर्वेदी ने डीएफओ धरमजयगढ़ को आवेदन के निराकरण हेतु निर्देशित किया। ग्राम बनसिया निवासी केशव इलाज हेतु आर्थिक सहायता के लिए आवेदन लेकर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि वे एक पेंटर है और पिछले 1 वर्ष से विभिन्न बीमारियों से पीड़ित है। इलाज में उनकी पूरी जमा पूंजी खत्म हो चुकी है। कलेक्टर चतुर्वेदी ने आवेदन की निराकरण एवं संबंधित के इलाज हेतु सीएमएचओ को निर्देशित किया। व्यापारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों के साप्ताहिक बाजारों में धन उगाही एवं मनमानी की शिकायत आवेदन लेकर जनदर्शन में पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि जिले के व्यापारियों द्वारा जगह-जगह साप्ताहिक बाजार लगाते हैं। लेकिन वहां के ठेकेदार मनमानी करते हुए शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक वसूली करते हैं, जिससे सभी व्यापारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने इस पर आवश्यक कार्रवाई की लिए मांग की। कलेक्टर चतुर्वेदी ने आवेदन पर तहसीलदार रायगढ़ को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मौहापाली निवासी हीरालाल अपने वृद्धा पेंशन की मांग को लेकर पहुंचे थे।

संक्षिप्त समाचार

राहगीरों से लूटपाट करने वाले दो युवक गिरफ्तार

बिलासपुर(विश्व परिवार)। शहर के दो अलग-अलग स्थानों में राहगीरों के साथ लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है तथा उनके कब्जे से लूट का सामान बरामद किया गया है। बता दें कि दिनॉक 27.04.2025 को 3.30 बजे कुदुदंण्ड में अपने मोबाईल से बात करते हुए जा रही सुष्मिता से दो युवक मोबाईल फोन को लूट कर भाग गये थे। इसी तरह उसी दिनॉक को करीबन 6.30 बजे महाराणा प्रताप चौक के पास शकुंतला यादव से लेडीस बैग में रखे मोबाईल फोन, कॉन के टॉप्स व नगद रकम लूट कर भागने की घटना हुई थी। दोनों ही मामलों में थाना सिविल लाईन में शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले में वरिष्ठ अधिकारीयों के निर्देशन व मार्गदर्शन में आरोपीयों धरपकड़ कार्यवाही हेतु पुलिस टीम बनाकर घटना स्थल के आसपास के स्थानों से सीसीटीव्ही फूटेज प्राप्त की गई तथा सीसीटीव्ही फूटेज के अधार पर दो आरोपी गोविंद मानिकपुरी पिता गोकुल मानिकपुरी उम्र 20 वर्ष निवासी अशोक नगर महामाया आईटीआई के पीछे थाना सिविल लाईन तथा निर्मल टंण्डन पिता गेंदलाल उम्र 21 साल निवासी अमेरी शैलेन्द्र नगर थाना सकरी जिला बिलासपुर को पकड़ा गया तथा पुछताछ की गई तो दोनों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों से दो नग मोबाईल फोन,सोने का कान का टाप्स एक जोड़ी, नगदी रकम 2100 रूपये, स्कूटी एक्टीवा वाहन तथा एक बिना नंबर की केटीएम बाईक बरामद किया है तथा आरोपीयो को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांण्ड पर भेजा गया।

ब्लेड से जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

भाटापारा(विश्व परिवार)। जिले के भाटापारा ग्रामीण थानाक्षेत्र में एक युवक के गले में ब्लेड से जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 29.04.2025 को रात्रि में अपने परिवार सहित सभी खाना खाकर सो रहे थे इसी दौरान रात्रि करीबन 9:30 बजे प्रार्थी के बेटे हिमालय कोशले द्वारा चिल्लाने की आवाज आई, जिस पर जाकर देखा तो ईश्वर नवरंगे एवं सुरेश दिवाकर दोनों निवासी ग्राम मोपकाद्वारा उसके पुत्र हिमालय के गले में धारदार ब्लेड से दो जगह गंभीर वार किया गया था, जिससे खून निकल रहा था। परिजनों ने तत्काल उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया तथा मामले की रिपोर्ट थाना भाटापारा ग्रामीण में दर्ज कराई। रिपोर्ट पर थाना में धारा 333,109,3(5) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में पुलिस सहायता केंद्र निपनिया द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी ईश्वर नवरंगे एवं सुरेश दिवाकर को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा पूर्व विवाद पर बदले की भावना से, जान से मारने के नियत से धारदार ब्लेड से हिमालय के गले पर प्राण घातक चोंट पहुंचाना स्वीकार किया।

पुलिस हिरासत से कैदी हुआ फरार

बिलासपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पुलिस हिरासत से कैदी के फरार होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। इस मामले में ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रजनेश सिंह ने प्रधान आरक्षक मुन्ना किन्डो, आरक्षक पुरुषोत्तम दास पंत और रजनीश लहरे को निलंबित कर दिया है।बिलासपुर केंद्रीय जेल में बंद अपराध क्रमांक 297/2024, धारा 20 बी एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी उत्तरा कुमार खुंटे को सांस लेने में तकलीफ के कारण 26 अप्रैल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी सुरक्षा के लिए पुलिस लाइन में तैनात प्रधान आरक्षक मुन्ना किन्डो, आरक्षक पुरुषोत्तम दास पंत और रजनीश लहरे को तैनात किया गया था।28 अप्रैल को सुबह 8:30 बजे आरोपी उत्तरा कुमार खुंटे ने आरक्षक रजनीश लहरे को चकमा देकर अपनी हथकड़ी खोलकर अस्पताल से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि उस समय रजनीश लहरे प्रेशर होने के लिए बाथरूम गए थे। अस्पताल और आसपास के क्षेत्र में आरोपी की तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। प्रधान आरक्षक मुन्ना किन्डो की शिकायत पर पुलिस ने फरार आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 262 के तहत मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।इस कार्रवाई के बीच फरार आरोपी को पकड़ने गए आरक्षक रजनीश लहरे स्वयं अवैध वसूली के मामले में पकड़े गए हैं। जिला अस्पताल से आरोपी के फरार होने के बाद रजनीश लहरे उसे खोजने के लिए डभरा गए थे। सोमवार देर रात 3 बजे लहरे अपने दो साथियों के साथ डभरा-चंदरपुर मार्ग पर वाहन खड़ा कर स्वयं को डभरा थाना प्रभारी बताकर ड्राइवरों से अवैध वसूली कर रहे थे। सूचना मिलने पर डभरा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रजनीश लहरे और वाहन मालिक को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनका एक साथी फरार हो गया।

खुशी है कि हमारा भी पक्का मकान बन गया....

गरीब धन साय पीएम आवास पाकर है खुश

कोरबा(विश्व परिवार)। लम्बे समय तक मजदूरी कर कुछ रुपए जोड़कर किसी तरह रोजी रोटी की व्यवस्था कर जीवन यापन करने वाले धन साय ने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन उनका खुद का पक्का आवास बन पाएगा। अब तक की जिंदगी को गरीबी में जीते आये धन साय को लगता था कि हर बार की तरह इस बार भी उन्हें बारिश में मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा। उन्हें बारिश में टपकते हुए छत के नीचे रहना पड़ेगा। धनसाय की इतनी अधिक आमदनी भी नहीं थी कि वह अपनी झोपड़ी की जगह कोई

पक्का मकान बना सके। बीते कई दशकों से मुसीबतों का सामना करते आये धन साय की किस्मत तब बदल गई जब उनका नाम भी प्रधानमंत्री आवास योजना में आया। पीएम आवास में नाम आने के बाद उन्होंने आवेदन की सभी प्रक्रिया पूरी की और उन्हें किस्तों में राशि मिलती गई। आखिरकार धन साय का पक्का मकान अब पूरा होने के कगार पर है..जल्दी ही उनका मकान पूर्ण हो जाएगा और वह भी अपने परिवार के साथ पक्के मकान में रह पाएगा। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक अंतर्गत सरभोंका ग्राम पंचायत के निवासी धन से उराँव ने बताया कि वह अपनी पत्नी बहालो बाई और बच्चों के साथ निवास करते हैं। उन्होंने बताया कि गाँव में किसी तरह मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। उनकी आमदनी इतनी अधिक नहीं है कि वह पक्का मकान बनवा लें। उन्होंने बताया कि पीएम आवास योजना में नाम आने के बाद उन्हें पहले तो लगता था कि घर कैसे बनेगा। धीरे-धीरे राशि किस्तों में मिलती गई तो उनका मकान भी बनने लगा। अब मकान का काम अंतिम चरण में है, जल्दी है इसे पूरा कर इसमें रहने लगेगा। धन साय ने बताया कि गरीबी की वजह से वह जिंदगी भर झोपड़ी में रहता आया है।

शहर में चल रहे निर्माण कार्यों के निरीक्षण में पहुंचे कलेक्टर

रायगढ़(विश्व परिवार)। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। मौके पर सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव उपस्थित रहे। कलेक्टर चतुर्वेदी ने पटेल पाली में निर्माणाधीन आदर्श सब्जी मंडी और डीपीआरसी सेंटर में बन रहे दीदी सदन का जायजा लिया। आदर्श सब्जी मंडी पहुंचकर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने यहां चल रहे निर्माण कार्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ले आउट प्लान के हिसाब से अब तक हुए निर्माण कार्यों के बारे में निर्माण एजेंसी से पूछा। बताया गया कि परिसर में शेड निर्माण के साथ उसमें स्टैंप कंक्रीट किया गया है। परिसर के अलग- अलग हिस्सों में कार्ययोजना के अनुसार निर्माण कार्य चल रहे हैं। इसमें प्रवेश द्वार के करीब बैंक के लिए भवन निर्माण चल रहा है। इसके बाजू में धरमकांटा का निर्माण किया जा रहा है। वहीं परिसर में शेड निर्माण जारी है। कलेक्टर चतुर्वेदी ने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा ये दोनों महत्वपूर्ण होते है, इसे ध्यान में रखते हुए काम करें। उन्होंने इस गर्मियों के मौसम में अधिक से अधिक काम पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ हो परिसर में प्लास्टिक को डिस्पोज करने के लिए कुछ स्थायी व्यवस्था करने के निर्देश दिए जिससे प्लास्टिक को रिसाइकल किया जा सके। उन्होंने पूरे परिसर का भ्रमण किया और वहां चल रहे कार्यों को देखा। परिसर में पूर्व से निर्मित कृषक विश्राम गृह और दुकानों के रेनोवेशन के संबंध में चर्चा की जिससे ये भी उपयोगी स्वरूप में आएं।

कलेक्टर रोहित व्यास ने लोक निर्माण विभाग की ली समीक्षा बैठक

जशपुरनगर(विश्व परिवार)। कलेक्टर रोहित व्यास ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में उन्होंने प्रगतिरत निर्माण कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की और अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री व्यास ने कार्यों की धीमी प्रगति पर असंतोष जाहिर करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि जो ठेकेदार कार्यों में अनावश्यक विलंब कर रहे हैं अथवा समय-सीमा का पालन नहीं कर रहे हैं उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। इस संदर्भ में उन्होंने कार्यपालन अभियंता जशपुर को तहसील भवन दुलदुला का रिनोवेशन कार्य में धीमी प्रगति और समय सीमा का पालन नहीं करने पर ठेकेदार सुशील मिश्रा और तहसील परिसर कुनकुरी में विभिन्न भवनों के रिनोवेशन कार्य में धीमी प्रगति और समय सीमा का पालन नहीं करने पर ठेकेदार राजेंद्र कुमार मिश्रा को ब्लैकलिस्ट करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। श्री व्यास ने अधिकारियों को फील्ड का निरीक्षण बढ़ाने पर भी बल दिया, ताकि कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके और कार्य प्रगति में भी तेजी आए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्री हरिओम द्विवेदी, लोक निर्माण विभाग जशपुर के कार्यपालन अभियंता श्री टी. एन. सिंह, पत्थलगांव संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री मोचन कश्यप मौजूद रहे।

एनटीपीसी-कोरबा और नगर निगम कोरबा के बीच सीवेज जल शोधन संयंत्र की स्थापना के लिए एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

कोरबा(विश्व परिवार)। सार्वजनिक क्षेत्र के वृहद उपक्रम एनटीपीसी के द्वारा कोरबा-पश्चिम दर्री क्षेत्र के जमनीपाली में स्थापित एवं संचालित कोरबा वृहद ताप विद्युत संयंत्र प्रबंधन शीर्षजनो, कोरबा स्वायत संस्थान नगर पालिक निगम के वरिष्ठ अधिकारियो एवं नव निर्वाचित जन प्रतिनिधियो की उपस्थिति में एक उच्च स्तरीय समझौता ज्ञापन में संयुक्त हस्ताक्षर कर निस्पादित किया गया। यह समझौता एनटीपीसी कोरबा और नगर निगम कोरबा के बीच शहर में एक तृतीयक सीवेज जल शोधन संयंत्र की स्थापना हेतु स्मृति पत्र

हस्ताक्षारित किया गया। यह समझौता ज्ञापन कोरबा के लिये स्थायी जल प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इस उन्नत शोधन संयंत्र की स्थापना के लिए एनटीपीसी ने 111 करोड़ की प्रतिबद्धता जताई है, जिससे शुद्ध किए गए सीवेज जल का उपयोग एनटीपीसी-कोरबा प्लांट में औद्योगिक कार्यों के लिए किया जाएगा। यह पहल छत्तीसगढ़ में पहली बार किसी शहर द्वारा सीवेज जल के पुनरू उपयोग की दिशा में उठाया गया एक अग्रणी कदम है। इस परियोजना से पहले भी, एनटीपीसी-कोरबा द्वारा 14 करोड़ से अधिक की राशि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना के लिए प्रदान की जा चुकी है, जो समुदाय के विकास और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस आयोजित एमओयू हस्ताक्षर समारोह में कोरबा नगर निगम महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, कोरबा नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय(आईएएस) तथा नगर निगम कोरबा के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

समाधान शिविर की सूचना जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को अवश्य दें: कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने विभागीय कार्यों की समीक्षा की

कोरबा(विश्व परिवार)। कलेक्टर अजीत वसंत ने समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाजों की समीक्षा की। उन्होंने टीएल के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सुशासन तिहार अंतर्गत 5 मई से आयोजित होने वाले समाधान शिविरों का आयोजन की तैयारी की समीक्षा कर निर्देशित किया कि शिविर का आयोजन करते समय यह ध्यान रखा जाए कि आसपास के ग्रामीण और आवेदन देने वाले आवेदक आसानी से पहुँच जाएं। उन्होंने शिविर के सम्बंध में व्यापक प्रचार प्रसार करने और सभी को सूचना

देने के निर्देश देते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शिविरों की जानकारी प्रदान करने के निर्देश एसडीएम को दिए। उन्होंने शिविर हेतु सभी आवश्यक तैयारी पूर्ण करने तथा आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी से इस सत्र स्कूल में जाने वाले विद्यार्थियों का जाति प्रमाणपत्र शीघ्र बनाने और 16 जून को विद्यालय प्रारंभ होने के साथ ही वितरण के निर्देश एसडीएम को दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने सभी विभागों को सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निराकरण करने के साथ ही संबंधित आवेदकों को शिविर के माध्यम से उनके आवेदन पर की गई कार्यवाही के संबंध में सूचित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने वन अधिकार पत्र अंतर्गत आवेदन के पात्र और अपात्र की सूची अलग करके पात्र ग्रामीणों को लाभान्वित करने तथा इसके लिए ग्राम सभा का आयोजन करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य शासन द्वारा विद्यालय और अतिशेष शिक्षकों के युक्ति युक्तकरण के सम्बंध में जारी निर्देशों के तहत सूची बनाकर कार्यवाही के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने विद्यालय में अतिशेष शिक्षकों की सूची बनाकर उन्हे कम शिक्षक वाले विद्यालय में युक्तिकरण के निर्देश दिए। उन्होंने भू अर्जन के प्रकरणों के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से कलेक्ट्रेट में सीसीटीवी लगाने के निर्देश देते हुए अशोक वाटिका के एमओयू, एलुमिना पार्क, अप्पू गार्डन के सम्बंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर वसंत ने शिक्षा विभाग अंतर्गत अनुपस्थित शिक्षकों की फाइल पुटअप करने, राजस्व अंतर्गत विभागीय जाँच की कार्यवाही पूर्ण कर फाइल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को फ्लैगशिप योजनाओं में प्रगति लाने और राजस्व अंतर्गत सीमांकन, बटांकन सहित अन्य प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण के कार्यों की नियमित समीक्षा और प्रगति के निर्देश जिला पंचायत सीईओ को दिए। कलेक्टर ने स्कूली विद्यार्थियों के जाति प्रमाणपत्र के कार्यों में प्रगति लाने,आरबीसी 6-4 और सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावितों की जानकारी ऑनलाइन पोर्टल में दर्ज कर समय पर मुआवजा वितरण के निर्देश दिये। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को दी जाने वाली राशि का हिसाब प्रस्तुत करने,आंगनबाड़ी में बिजली कनेक्शन लगाने, बलसेन्धा से माली कछार तक विद्युतीकरण के सम्बंध में भी निर्देश दिए।

संपादकीय

न्यायपालिका पर हमले

उप-राष्ट्रपति ने संसद को सर्वोच्च बताया है। यानी संसद कोई भी विधेयक पारित कर सकती है, जिसका न्यायिक परीक्षण नहीं होना चाहिए। इस तरह जगदीप धनखड़ ने अवरोध एवं संतुलन की संवैधानिक व्यवस्था को सिरे से नकारने की कोशिश की है। न्यायपालिका पर हमले जारी रखते हुए उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब ये विवादास्पद बात कही है कि भारतीय व्यवस्था में संसद सर्वोच्च है। इस तरह उन्होंने अवरोध एवं संतुलन की संवैधानिक व्यवस्था को सिरे से नकारने की कोशिश की है। धनखड़ के मुताबिक संसद के ऊपर सिर्फ मतदाता हैं, जो संसद का चुनाव करते हैं। इस तर्क को आगे बढ़ाया जाए, तो उसका अर्थ निकलेगा कि निर्वाचित होने के बाद संसद कोई भी विधेयक पारित कर सकती है, जिनमें संविधान संशोधन बिल भी शामिल हैं। यह तर्क सीधे तौर पर संवैधानिक अदालतों के अस्तित्व को चुनौती है। इसलिए कि संवैधानिक अदालतों (सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट) को संविधान ने संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या का अधिकार दिया है। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट को संसद से पारित विधेयकों के परीक्षण का अधिकार भी हासिल है। भारत में न्यायशास्त्र के विकास के साथ सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के बुनियादी ढांचे का सिद्धांत विकसित किया है। इस ढांचे से हेरफेर करने वाले कानूनों को रद्द कर देने का अधिकार उसे हासिल है। फिर संविधान के अनुच्छेद 142 में प्रावधान है कि 'न्याय को पूर्णता प्रदान करने के लिए' सुप्रीम कोर्ट आदेश जारी कर सकता है। यह आदेश सारे देश में लागू होगा। जहां तक सर्वोच्चता का सवाल है, तो भारतीय संवैधानिक व्यवस्था में शक्तियों के अलगाव का सिद्धांत अपनाया गया है। इसके तहत कोई राजकीय संस्था सर्वोच्च नहीं है। हर संस्था को ऐसे अधिकार हैं, जिससे वह अवरोध एवं संतुलन का दायित्व निभा सके। अवरोध एवं संतुलन की व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि हर संस्था संवैधानिक दायरे में काम करे। इस तरह अधिनायकवाद की प्रवृत्तियों पर नियंत्रण बना रहता है। उप-राष्ट्रपति खुद एक बड़े संवैधानिक पद पर हैं, जहां उनसे भी ऐसी भूमिका की अपेक्षा की जाती है। मगर हाल के भाषणों में उन्होंने 'न्याय को पूर्णता प्रदान करने' संबंधी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को चुनौती दी है और अब उन्होंने संसद की सर्वोच्चता का एलान किया है। उनके इस नजरिए से राष्ट्रीय जनमत के एक बड़े हिस्से में कौतूहल देखा गया है। ये सवाल उठा है कि आखिर धनखड़ ऐसे दावे क्यों कर रहे हैं?

फटकार खाकर भी नहीं सुधर रही देश की पुलिस

योगेंद्र योगी

पुलिस के कुकृत्यों सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकडऩे के बजाए कई मामलों खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है। नेताओं की हाथों की कठपुतली बनी पुलिस प्रणाली देश के आम लोगों का विश्वास जीतने में पूरी तरह नाकाम रही है। पुलिस का आचरण और व्यवहार आजादी के बाद भी सामंती बना हुआ है। अपराध रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के अपराधियों की तरह आचरण करने से वर्दी दागदार हो रही है। पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्रों में होने के कारण सत्तारुढ़ दलों के इशारों के बगैर काम नहीं करती है। ऐसे ही हालात पुलिस पर पक्षपात करने के जिम्मेदार हैं। अधिनस्थ से लेकर देश की शीर्ष अदालत कई बार पुलिस की कारगुजारियों को उजागर किया है। इसके बावजूद पुलिस के रवैये में कोई खास बदलाव नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट ने दीवानी मामले में आपराधिक कानून लगाने पर उत्तरप्रदेश (यूपी) पुलिस को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि यूपी पुलिस की ओर से दीवानी मामलों में दर्ज की गई प्राथमिकियों पर गौर करने से पता चलता है कि राज्य में कानून का शासन पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। पुलिस के कुकृत्यों सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकडऩे के बजाए कई मामलों खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है। मोगा सेक्स स्कैंडल साल 2007 में सुर्खियों में आया। उस समय पंजाब में अकाली-भाजपा गठबंधन की सरकार थी। इस स्कैंडल में कई हाई प्रोफाइल राजनेता और सीनियर पुलिस अधिकारी शामिल थे। ये सब मिलकर अमीर लोगों को देह व्यापार में फंसाते थे। पुलिस की कारगुजारियों का पर्दाफाश सुप्रीम कोर्ट ने एक मृत्युदंड के मामले में भी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के आरोप में निचली अदालत से मौत की सजा प्राप्त एक युवक को बरी करते हुए पुलिस प्रक्रिया पर तीखी टिप्पणियां की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सभी फोरेंसिक और गवाहों की रिपोर्टों की बारीकी से समीक्षा की और पाया कि आरोपी के खिलाफ कोई विश्वसनीय सबूत नहीं था। इस तरह एक निर्दोष व्यक्ति ने 10 साल फांसी की सजा के साए में जेल में बिताए, जबकि पुलिस और न्यायिक व्यवस्था की नाकामी साफ नजर आई। सुप्रीम कोर्ट पुलिस और सत्तारुढ़ दलों के नापाक गठजोड़ को कई बार उजागर कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश रहे एनवी रमना ने एक मामले में कहा था कि देखा जा रहा है कि पुलिस के अधिकारी सत्ता में मौजूद राजनीतिक पार्टी का फेवर करते हैं और सत्ता पक्ष के विरोधियों के खिलाफ कार्यवाही करते हैं। बात यहीं खत्म नहीं होती जब विरोधी पक्ष के लोग सत्ता में आते हैं तो उन्हीं पुलिस अफसरों पर कार्यवाही करते हैं। देश में इस तरह का जो ट्रेंड दिख रहा है वह काफी परेशान करने वाला है। मुख्य न्यायाधीश रमना ने कहा था कि इसके लिए पुलिस विभाग को ही जिम्मेदार ठहराना चाहिए। पुलिस को चाहिए कि वह कानून के शासन पर टिके रहें। वह सत्ता और विपक्ष किसी के साथ न होकर स्वतंत्र रूप से काम करें। सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी छत्तीसगढ़ के निलंबित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुरजिंदर पाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए की थी। पाल के खिलाफ पुलिस ने सत्तारुढ दल के इशारे पर आय से अधिक सम्पत्ति और राजद्रोह का मामला दर्ज किया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा रहे न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने कोलकाता चिकित्सक के बलात्कार-हत्याकांड की सुनवाई के दौरान कहा था कि कोलकाता पुलिस ने इस मामले को जिस तरह से संभाला, वह कुछ ऐसा है जो उन्होंने अपने जीवन के 30 वर्षों में नहीं देखा। शीर्ष अदालत ने अप्राकृतिक मौत के मामले के पंजीकरण में देरी की आलोचना की। पुलिस की मौजूदा कार्यप्रणाली को लेकर देश में कई सुधार करने के प्रयास हुए हैं, किन्तु सत्तारुढ़ दलों के नेताओं ने ऐसे प्रयासों को नाकाम करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी। स्वतंत्रता के बाद से ही, इस व्यवस्था में सुधार की मांग उठती रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार, अकुशलता और जनता में अविश्वास का कारण बनी हुई है। पुलिस सुधारों के लिए कई आयोगों और समितियों का गठन किया गया। राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और वर्ष 1971 में बनी गोर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशें धूल खा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी वर्ष 2006 में प्रकाश सिंह मामले में पुलिस सुधारों पर कई निर्देश दिए। जिनमें यह भी शामिल था कि राज्य पुलिस प्रमुखों का दो वर्ष का निश्चित कार्यकाल होगा। निर्देशों में राज्य सुरक्षा आयोगों की स्थापना, वरिष्ठ अधिकारियों के लिये निश्चित कार्यकाल और कानून एवं व्यवस्था से जाँच को अलग करना शामिल था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की भी राज्यों ने पालना नहीं की। इसे देश के सभी राज्यों ने या तो लागू नहीं किया या फिर निर्देशों को आधे-अधूरे तरीके से लागू किया गया ताकि पुलिस में सत्तारुढ़ दलों का हस्तक्षेप पूरी तरह से बना रह सके। इन सिफारिशों को लागू नहीं करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दिल्ली की वर्ष 2019 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 72 प्रतिशत पुलिस अधिकारियों ने मामलों की जाँच करते समय राजनीतिक दबाव का अनुभव किया है। पुलिस प्राय: अत्यधिक बल का प्रयोग करती है, विशेषकर विरोध प्रदर्शनों और नागरिक अशांति से निपटने में। अप्रैल, 2017 से मार्च, 2022 तक पिछले पाँच वर्षों में देश भर में पुलिस हिरासत में मौत के कुल 669 मामले दर्ज किये गए। इसके अलावा, भारत में अपराध विज्ञान के क्षेत्र में इतने सारे अवसर होने के बावजूद, प्रति 0.1 मिलियन जनसंख्या पर केवल 0.33 फोरेंसिक वैज्ञानिक हैं, जबकि विदेशों में प्रति 0.1 मिलियन जनसंख्या पर 20 से 50 वैज्ञानिक हैं। पुलिस अधिकारियों का अपर्याप्त प्रशिक्षण इस मुद्दे को और भी गंभीर बना देता है। एक रिपोर्ट में पाया गया कि देश में 11 राज्य पुलिस कर्मियों के लिये केवल एक कंप्यूटर/लैपटॉप था, जबकि कुछ बड़े राज्यों में वर्ष 2022 में 30 या उससे अधिक कर्मियों के लिये केवल एक प्रणाली थी। केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं की संख्या बढ़ाने के लगातार प्रयासों के बावजूद देश में पुलिस बलों में केवल 11.75 प्रतिशत महिलाएँ हैं। प्रतिनिधित्व की यह कमी महिलाओं को अपराधों की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करती है और लिंग आधारित हिंसा के मामलों को ठीक से नहीं निपटा पाती। पुलिस अधिकारी कानून प्रवर्तन से लेकर चुनाव ड्यूटी तक अनेक भूमिकाएँ निभाते हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त आराम या उचित पारिश्रमिक नहीं मिलता। कम वेतन से व्यावसायिकता हतोत्साहित होती है और भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ती है, जिससे जनता का विश्वास प्रभावित होता है। पुलिस कार्यों में राजनीतिक हस्तक्षेप ने व्यावसायिकता और स्वतंत्रता को समाप्त कर दिया है। बार-बार स्थानांतरण, राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का दबाव और जाँच एजेंसियों के दुरुपयोग ने कानून प्रवर्तन की विश्वसनीयता को कमज़ोर कर दिया है। राजद्रोह कानूनों का मनमाना प्रयोग तथा कार्यकर्ताओं और पत्रकारों की लक्षित गिरफ्तारियाँ इस बात को उजागर करती हैं कि पुलिसिंग प्राय: विधि के शासन के बजाय राजनीतिक हितों से प्रेरित होती है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा वर्ष 2017 में कराए गए एक सर्वे के मुताबिक भारत में पुलिस विभाग सबसे ज्यादा भ्रष्ट है।

अदालतों की समय-समय पर कड़ी फटकार के बावजूद देश में पुलिस का रवैया बदला नहीं है। यह सिलसिला तब तक जारी रहेगा, जब तक पुलिस नेताओं के हस्तक्षेप से मुक्त नहीं होगी।

आलेख

व्यंग्य: आस्तीन में घर हैं जिनके

विवेक रंजन श्रीवास्तव

सोशल मीडिया में खालिस भारतीय विदेशी भक्त और उनकी दोहरे चरित्र देखने लायक हैं। भारत के डिजिटल जंगल में इस नई प्रजाति का उदय हुआ है , जिनकी ज़ुबान वैश्विक नागरिकता का राग अलापती है, पर भारत की आस्तीन में छुपा उनका घर किसी और ही महाद्वीप का पता बताता है। ये वो शख़्सियतें हैं जो भारत की मिट्टी में पलती-बढ़ती हैं, पर उनकी नज़रें हमेशा विदेशी स्टैंडर्ड्स के पैमाने से ही देश को नापती हैं। अगर कोई भारत सरकार की आलोचना करे, तो ये उसकी पीठ थपथपाने को तैयार मिलते हैं। यदि सरकार के समर्थन में कुछ लिख दिया तो यह ब्रिगेड भक्त का टाइटिल देने में देर नहीं लगाती , इस तरह वे स्वयं को कथित सेक्युलर साबित करने में जुट जाते हैं। विदेशी सरकारों के मुंह से भारत पर कोई टिप्पणी निकले, तो ये उसे सचाई का आईना घोषित कर देते हैं। आस्तीनों में बसे इनके घर की नींव तो शायद , न्यूयॉर्क या जेनेवा की मिट्टी से बनी है! इनके रहने वाली बांबी भीतर ही भीतर पाकिस्तान और बंगलादेश तक जुड़ी हुई है। इनका व्यंग्य-शस्त्रागार बेहतरीन होता है। सरकार ने कोई नीति बनाई? तुरंत ट्विटर पर ट्रेंड करो- अरे, स्वीडन में ऐसा होता तो...। किसी भारतीय संस्था ने कोई उपलब्धि हासिल की? ..पर सिंगापुर में तो ये सालों पहले...। ये लोग कॉम्पेयर एंड डिस्पेयर के मास्टर हैं। इन्हें पता ही नहीं कि स्वीडन की आबादी भारत के एक छोटे राय जितनी है, या सिंगापुर का भूगोल चंडीगढ़ से छोटा है। पर इन्हें यथार्थ से क्या लेना-देना? इनका काम वर्चुअल एक्सपर्ट बनकर अपने ही देश को लताड़ना है। ये अभिव्यक्ति की आज़ादी की दुहाई देते हैं, पर इनकी परिभाषा में आज़ादी सिर्फ़ सरकार की आलोचना करने तक सीमित है। अगर कोई इनसे पूछे, भई, आप जिस देश को आइडियल मानते हो, वहाँ तो पुलिस प्रोटेस्टर्स पर घोड़े दौड़ाती है! तो जवाब मिलता है वो अलग बात है, वहाँ की सरकार परफेक्ट है। यानी, इनके लिए आलोचना का अधिकार सिर्फ़ भारत के लिए रिज़र्व्ड है। बाकी दुनिया?, उन्हें तो समझने की ज़रूरत है! ये विदेशी मीडिया के प्रति हैलो प्रिंसिपल सिंड्रोम से ग्रस्त होते हैं। ये अंग्रेजी जानते हैं, विदेशी मीडिया के प्रति बेहिसाब लगाव रखते हैं। किसी विदेशी मीडिया ने भारत पर कोई रिपोर्ट छापी, तो ये उसे गॉस्पल मानकर शेयर करते हैं। पर अगर भारतीय मीडिया विदेशों में हो रहे अत्याचारों की बात करे, तो ये उसे प्रोपेगैंडा बताते हैं। इनके मुताबिक़, ऑब्जेक्टिविटी की मोहर सिर्फ़ विदेशी चैनलों पर लगती है। और हाँ, अगर कोई भारतीय इस दोहरे मापदंड पर सवाल उठाए, तो वह अंधभक्त कहा जाता है! इनके ट्वीट्स और पोस्ट्स देखकर लगता है मानो भारत की हर समस्या का समाधान विदेशी सलाहकारों के पास है। गंगा प्रदूषण? यूरोपियन एक्सपर्ट्स को बुलाओ! किसान आंदोलन? यूएन को हस्तक्षेप करना चाहिए! पर इन्हें यह नहीं सूझता कि जिन देशों को ये रोल मॉडल मानते हैं, उन्होंने अपनी समस्याएँ खुद सुलझाई थीं। स्वदेशी समाधानों पर भरोसा? अरे, वो तो रिग्रेसिव है! वेस्टर्न वैलिडेशन चाटुकारिता का नया अवतार , ये लोग भारत के सॉफ्ट पावर पर तब तक शक करते हैं, जब तक कि कोई विदेशी उसे वैलिडेट न कर दे। योग? तब तक अंधविश्वास है, जब तक यूनेस्को ने उसे विरासत न घोषित किया। आयुर्वेद? झाड़-फूँक है, जब तक हॉलीवुड सेलिब्रिटीज़ ने उसकी तारीफ़ न कर दी। इन्हें लगता है कि भारत की प्रशंसा का अधिकार सिर्फ़ विदेशियों के पास है। जैसे कि अपनी माँ की तारीफ़ पड़ोसी के मुँह से निकलना ज़रूरी हो! हो सकता है कि इन आस्तीन के सांपों का इरादा देश का भला करना हो, पर इनकी रणनीति संदेह पैदा करती है। ये भूल जाते हैं कि स्वतंत्रता और राष्ट्र-विरोधी नैरेटिव में फ़र्क होता है। समस्या यह नहीं कि ये सरकार की आलोचना करते हैं; समस्या यह है कि ये एजेंडा प्रेरित टूल किट से अंध प्रवक्ता बनकर , फिर देश की आस्तीन में घुस जाते हैं।

छात्रों के विरोध अश्लील और असभ्य

प्रियंका सौरभ

दिल्ली विश्वविद्यालय, जिसे भारत के सबसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में गिना जाता है, हाल में एक अजीबोगरीब और प्रतीकात्मक विरोध का केंद्र बना। कुछ छात्रों ने क्लासरूम की दीवारों पर गोबर लीपा और प्रिंसिपल के घर के बाहर भी गोबर फेंक दिया।

यह कोई फिल्मी सीन नहीं था, न ही कोई ग्रामीण उत्सव-यह था एक गुस्से से भरा राजनीतिक वक्तव्य। यह घटना न केवल ध्यान खींचती है, बल्कि कई गहरे और असहज सवाल भी खड़े करती है- क्या विविद्यालय सिर्फ सत्ता का विस्तार बन चुके हैं? क्या छात्र आंदोलन केवल 'विचारों' से नहीं, अब 'गंध' से भी संवाद करने लगे हैं?

यह विरोध दिल्ली यूनिर्वसटी के साउथ कैम्पस के एक कॉलेज में हुआ जहां छात्रों ने गोबर लीप कर क्लासरूम को 'पवित्र' करने की कोशिश की। दरअसल, 'पवित्रता' का यह तंज था-एक ऐसे सिस्टम पर, जिसे छात्र 'अपवित्र' मानते हैं। कहा गया कि यह विरोध जातिगत भेदभाव, एक दलित प्रोफेसर के साथ अन्याय, और प्रशासन की असंवेदनशीलता के खिलाफ था। छात्रों ने न सिर्फ कक्षाओं को गोबर से लीपा, बल्कि प्रिंसिपल के घर तक जाकर वहां भी प्रदर्शन किया।

भारत में गोबर का उपयोग सदियों से पवित्रता, शुद्धता और स्वदेशी जीवन शैली के प्रतीक के रूप में होता आया है। लेकिन इस मामले में इसका प्रयोग गहराई से व्यंग्यात्मक था। यह ऐसा प्रतीक था जो न केवल सत्ता की 'पवित्रता' को उलट देता है, बल्कि दिखाता है कि छात्र अब विरोध के पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर सत्ता की भाषा को उसके ही प्रतीकों से जवाब दे रहे हैं। यह विरोध दरअसल उस छद्म सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर चोट करता है जो गाय, गोबर और गंगा जल को पवित्र मानता है, लेकिन दलित, आदिवासी व वंचित समुदायों की पीड़ा को अपवित्र विषय मानता है।

भारतीय विविद्यालय धीरे-धीरे उस विचारभूमि से हटते जा रहे हैं, जहां असहमति को प्रोत्साहन मिलता था। आज यदि कोई छात्र या प्रोफेसर सत्ता के खिलाफ बोलता है, तो उसे 'राष्ट्रविरोधी', 'गद्दार', या 'विकास-विरोधी' कहा जाने लगता है। कैम्पस अब लोकतांत्रिक संवाद के केंद्र नहीं, बल्कि डर के घेरे बनते जा रहे हैं। छात्रों के इस कदम को केवल 'असभ्यता' कह कर खारिज करना आसान है, लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि यह घटना उस निराशा और हताशा की उपज है जो वर्षो से भीतर ही भीतर सुलग रही है। जब संवाद के सारे रास्ते बंद कर दिए जाते हैं, तो प्रतीकात्मक और चौंकाने वाले कदम ही विकल्प बनते हैं।

यह विरोध 'हिंसक' नहीं था, लेकिन 'सुगंधित' भी नहीं था। निश्चित रूप से गोबर से दीवारें लीपना किसी भी संस्थान के लिए अनुशासनहीन हरकत मानी जाएगी। लेकिन यह भी सोचना होगा कि जब छात्र अपनी बात कहने के लिए इतना असामान्य तरीका अपनाते हैं, तो समस्या छात्रों में नहीं, व्यवस्था में भी है। वे किस हद तक खुद को असहाय और अनसुना समझते हैं, यह इस घटना से जाहिर होता है। अलबत्ता, यह विरोध मानसिक और सांस्कृतिक असहजता पैदा करने वाला जरूर था। छात्रों का प्रदर्शन प्रिंसिपल के निजी घर तक पहुंचना न केवल प्रतीकात्मक था, बल्कि दर्शाता है कि छात्रों को अब संस्थागत दायरे में न्याय की उम्मीद नहीं रही। यह खतरनाक संकेत है-न केवल शिक्षा व्यवस्था के लिए, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी।

मीडिया ने इस घटना को सनसनीखेज ढंग से दिखाया -'छात्रों ने लीपा गोबर!', 'गाय के नाम पर राजनीति फिर से!'-लेकिन दुर्भाग्यवश किसी ने यह नहीं पूछा कि छात्र ऐसा क्यों कर रहे हैं? किस घटना ने उन्हें इस हद तक पहुंचाया? किसने संवाद के रास्ते बंद किए? मीडिया अक्सर लक्षणों पर बहस करता है, लेकिन बीमारी की जड़ तक नहीं जाता। सत्ता जब गाय और गोबर को संस्कृति का हिस्सा मान कर उन्हें नीतियों में शामिल करती है-जैसे गोबर आधारित उत्पादों को बढ़ावा देना, पंचगव्य को चिकित्सा बताना-तब वह 'धर्म-सम्मत' होता है।

लेकिन जब यही प्रतीक छात्रों के विरोध में आते हैं, तो वे 'अश्लील' और 'असभ्य' बन जाते हैं। यही सत्ता का दोहरापन है। छात्रों का विरोध सत्ता के इस पाखंड की पोल खोलता है-दिखाता है कि सांस्कृतिक प्रतीकों का प्रयोग केवल सत्ता के लिए सुरक्षित नहीं है, बल्कि जनता भी उन्हें विरोध के औजार बना सकती है। इस घटना के बहाने जरूरी हो गया है कि विविद्यालयों में संवाद की संस्कृति को फिर से मजबूत किया जाए। यह घटना प्रतीकात्मक चेतावनी है-शिक्षा का मंदिर यदि सत्ता की चौकी बन जाए, तो छात्र वहीं पर 'शुद्धि यज्ञ' करने लगते हैं। गोबर का यह विरोध हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र में असहमति की गुंजाइश बनी रहनी चाहिए -वरना दीवारें ही नहीं, सोच भी गंधाने लगती है।

सुपर संसद के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी

कमलेश पांडे

ऐसे में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह टिप्पणी वाजिब है कि न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय करने, और 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है, इसलिए उन्होंने इस विषय को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जो उनके प्रबुद्ध होने का परिचायक है। भारतीय लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका में पारस्परिक टकराव कोई नई बात नहीं है, लेकिन यह जनहित में होना और दिखाई देना चाहिए। लेकिन अब जिस तरह से अपनी नाकामियों और चरित्रहीनता को छिपाने के लिए ये लोग संवैधानिक नियमों का दुरूपयोग कर रहे हैं, वह किसी वैचारिक त्रासदी से कम नहीं है। देश के प्रबुद्ध लोगों को इन संवैधानिक कमियों को पहचानना चाहिए और उसपर अविलंब लीगल सर्जिकल स्ट्राइक करने का दबाव भारतीय संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों पर बनाना चाहिए। इस बात में कोई दो राय नहीं कि राष्ट्रीय संसाधनों के न्यायपूर्ण बंटवारे, विधि-व्यवस्था को बनाए रखने और उसे तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सबको समान रूप से गुणवत्तापूर्ण जन सुविधाएं मुहैय्या करवाने में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों असफल साबित हुए हैं और इनके ऊलजलूल तर्कों से देश इस्लामिक चरमपंथियों के नापाक मंसूबों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ प्रतीत हो रहा है! राष्ट्रपति शासन, आरक्षण विवाद, भाषा विवाद, धर्मनिरपेक्षता आदि सुलगते सवालों पर राष्ट्र का सही मार्गदर्शन करने में भी ये संस्थाएं विफल प्रतीत हो रही हैं। ऐसे में इनकी नकेल कसने के लिए भारतीय संविधान कभी कारगर साबित हो ही नहीं सकता, क्योंकि यह खुद साम्राज्यवादी मानसिकता वाले विरोधाभासों से भरा पड़ा है। ऐसे में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह टिप्पणी वाजिब है कि न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय करने, और 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है, इसलिए उन्होंने इस विषय को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जो उनके प्रबुद्ध होने का परिचायक है। देश के विश्वविद्यालयों और अन्य पेशेवर संगठनों को इन पर गौर फरमाते हुए आम राय कायम करने की जरूरत है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट लोकतांत्रिक ताकतों पर 'परमाणु मिसाइल' नहीं दाग सकता! उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आरोप लगाया है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद-142 लोकतांत्रिक ताकतों के

खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है जो न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है। बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अपने समक्ष किसी भी मामले में 'पूर्ण न्याय' सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी करने की शक्ति देता है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया है और कहा है कि, 'हमारे पास ऐसे जज हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका के काम करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है।'उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 17 अप्रैल 2025 दिन गुरुवार को कहा कि हाल ही में जूडिशरी के एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिये जाने की पनपी नई प्रवृत्ति पर ठीक ही सवाल किया कि हम किस दिशा में जा रहे है? हमने इस दिन के लिए लोकतंत्र की कभी उम्मीद नहीं की थी। राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है। धनखड़ ने यह टिप्पणी राज्यसभा के ट्रेनीज को संबोधित करते हुए की। उन्होंने ठीक ही कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें। उन्होंने कहा कि यह निर्देश किस आधार पर दिए जा रहे हैं? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण पर कहा कि जब सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है, तो सरकार संसद के प्रति तथा चुनावों में जनता के प्रति जवाबदेह होती है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है जब विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका फलें-फूलें। किसी एक के द्वारा दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप चुनौती पैदा करता है, जो अच्छी बात नहीं है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से बड़े पैमाने पर नकदी की बरामदगी से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज न किए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने ठीक ही कहा कि अगर यह घटना आम आदमी के घर पर हुई होती, तो मामले में रॉकेट की रफ्तार से एफआईआर दर्ज की जाती। जबकि न्यायपालिका की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का सुरक्षा कवच नहीं है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि किसी संस्था या व्यक्ति को पतन की ओर धकेलने का सबसे पुख्ता तरीका उसे जांच से सुरक्षा की पूर्ण गारंटी प्रदान करना है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिल्ली हाइकोर्ट के एक जज के घर मिले कथित कैश की ओर इशारा करते हुए उस पर लीपापोती की नाजायज प्रवृत्ति पर भी सवाल उठाए। धनखड़ ने दो टूक शब्दों में कहा कि हाई कोर्ट के एक जज के घर से मिले कैश से जुड़े मामले में एफआईआर न होना आमलोगों के सवालों के घेरे में है। इसलिए सवाल उठाया कि क्या 'कानून से परे एक श्रेणी' को अभियोजन से छूट है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/धर्म समाज/देश
रायपुर, शुक्रवार 02 मई 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से नक्सल हिंसा पीड़ितों के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

बस्तर को नक्सलवाद से पूर्णतः मुक्त कराने सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध : साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज मुख्यमंत्री निवास में बस्तर अंचल से आए नक्सल हिंसा पीड़ितों के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में सुकमा, बीजापुर, कांकेर सहित बस्तर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों के वे नक्सल हिंसा पीड़ित शामिल थे, जिन्होंने विगत वर्षों में नक्सली हिंसा के कारण अपनों को खोया है, शारीरिक यातनाएँ झेली हैं अथवा विस्थापन का दंश सहा है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री साय को ज्ञापन सौंपते हुए कुर्रेगुट्टा की पहाड़ियों में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान को निर्णायक मोड़ तक पहुँचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बस्तर के हजारों परिवार चार दशकों से माओवादी आतंक की विभीषिका का सामना कर रहे हैं, जिसने क्षेत्र की सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक बुनियाद को गहरा नुकसान पहुँचाया है। हाल के वर्षों में सुरक्षा बलों की प्रभावी कार्रवाई और सरकार की

नक्सल पीड़ितों ने नक्सल उन्मूलन अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाने का किया अनुरोध

समावेशी विकास की नीति से बस्तर में शांति और विकास की आशा फिर से जगी है। ग्रामीणों ने बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों को इस नई जागरूकता और विश्वास का प्रतीक बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार नक्सलवाद के समूल उन्मूलन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कुर्रेगुट्टा में चलाया जा रहा सुरक्षा अभियान निर्णायक चरण में है। सरकार किसी भी कीमत पर नक्सल उन्मूलन अभियान को पूर्ण करेगी ताकि बस्तर के विकास को गति मिले। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नक्सलवाद सिर्फ एक हिंसक आंदोलन नहीं, बल्कि हमारी सह-अस्तित्व पर आधारित संस्कृति पर खतरा भी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हर नक्सल पीड़ित परिवार के साथ सरकार खड़ी है और सुरक्षा बलों के मनोबल को तोड़ने या अभियान में बाधा डालने वाले किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बस्तर में स्थायी शांति और समावेशी विकास ही सरकार का लक्ष्य है, और यह तभी संभव है जब क्षेत्र को हिंसा और भय के साये से पूरी तरह मुक्त किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने आशा व्यक्त की कि नक्सल विरोधी संघर्ष में जन-भागीदारी और विश्वास की शक्ति से हम निस्संदेह सफलता प्राप्त करेंगे और बस्तर को स्थायी शांति और विकास की दिशा में अग्रसर करेंगे।

संस्कार के साथ कलात्मक शिक्षा का माध्यम बन गया समर कैंप : डॉ. सालनी जैन

समर कैंप के समापन पर बहनों व वच्चो को किया पुरस्कृत

समर कैंप जैसे आयोजन होते रहना चाहिए : विजय धुर्रा

अशोकनगर (विश्व परिवार)। सुभाष गंज में श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला द्वारा आयोजित आठ दिवसीय समर कैंप का सम्मान जिला पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन की जीवन संगनी डॉ शालनी जैन के मुख्य आतिथ्य एवं जिला पंचायत सीईओ राजेश जैन की जीवन संगनी श्री मति जैन के विशेष अतिथ्य जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल की अध्यक्षता में संपन्न हुई जहां वच्चो के व शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया समारोह के प्रारंभ में जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि गर्मीयों में इतनी बड़ी संख्या में समर कैंप में वच्चो की उपस्थिति उनके उत्साह से लगता है कि दीदीयो ने बहुत मेहनत की होगी जव वच्चे स्कूल से फ्री हो गये समर कैंप उन्हें और भी उपयोगी रहा और इस कैंप का हम आज श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी की ओर पुरस्कृत करके सभी का मनोबल बढ़ाने आये है इस तरह के कैंप होते रहना चाहिए

समापन समारोह के प्रारंभ मंगल गान पाठशाला की बहनों द्वारा किया गया इस दौरान विभिन्न कलाओं में पारंगत वच्चो द्वारा अपने हाथो से तैयार वस्तुओ का ग्रुप वाई ग्रुप मंच के समक्ष तालीयो की गड़गड़ाहट के बीच प्रस्तुत किया गया इस दौरान सभी वच्चो के साथ सिखाने वाले बहनों को मुख्य अतिथि डा शालनी जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद तीर्थ क्षेत्र कमेटी उपाध्यक्ष विपिन सिंघई पाठशाला कमेटी के कोषाध्यक्ष प्रसन्न मोदी गोशाला कमेटी अध्यक्ष दिनेश मोदपुर हेमंत टडैया सतीश राजपुर दारा गंज पाठशाला की मुस्कान दीदी सौम्या जैन साक्षी जैन अंशिका जैन तनु जैन पूनम अखाई दृष्टि जैन सुधा दीदी कांत दीदी कुसुम दीदी का सम्मानित किया।

प्रतिभाओ को मौका मिले तो वे अपने हुनर का प्रदर्शन कर देती है : इस दौरान मुख्य अतिथि डा शालनीजैन ने कहाकिपाठ शाला संस्कारित शिक्षा का ससक्त माध्यम है बहुत छोटी उम्र में ही वच्चे पाठशाला के माध्यम से संस्कारो को प्राप्त कर लेते हैं ये संस्कारित शिक्षा जीवन के अंतिम समय तक काम आती है इस तरह की कैंपो से वच्चो को एक मंच मिलता है जिसकी उन्हें कल्पना तक नहीं होगी। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ राजेश जैन की जीवन संगनी श्री मति ने कहा कि प्रतिभाओं को मौका मिले तो वे अपने हुनर का प्रदर्शन कर सकते हैं छोटे छोटे वच्चो से लेकर सभी ने यहां अपनी प्रतिभा को उजागर किया और आप लोगों ने उन्हें पुरस्कृत भी किया।

निःशुल्क सेवाये देती है पाठशाला की बेटियां : जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल ने कहा कि अशोक नगर के सभी मन्दिरो में बहुत अच्छी तरह से पाठशाला साचंलित हो रही है और इनमें संस्कारित शिक्षा देने वाले बेटियां कोई शुल्क नहीं लेती ये वर्ष भर अपनी निशुल्क सेवाये प्रदान करती विपिन सिंघई ने कहा कि बहुत ही सुन्दर प्रस्तुति वच्चो द्वारा दी गई हेमंत टडैया ने कहा कि इन्ही वच्चो में से कोई डॉक्टर इंजीनियर संत समाज सेवा वनेगा तव ये शिक्षा काम आयेगी। -**विजय धुर्रा**

संक्षिप्त समाचार

बेजुबान परिन्दों के लिए किया नि:शुल्क परिण्डा वितरण, साज सम्हाल की दिलाई शपथ

जयपुर (विश्व परिवार)। सेवा के लिए समर्पित अर्हम फाउंडेशन के तत्वावधान में लगातार तीसरे वर्ष भी भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान परिंदों के लिये व समाज में इस एहसास को बनाये रखने के लिए 250 परिंडों का जवाहर सर्किल स्थित पत्रिका गेट पर अक्षय तृतीया पर बुधवार को नि:शुल्क वितरण किया गया। इस मौके पर परिण्डों की साज सम्हाल करने एवं रौजाना उसमें पानी भरने की शपथ भी दिलाई गई। अंजू बैराठी ने बताया कि अक्षय तृतीया दिवस पर राहगीरों को निःशुल्क इक्षु रस भी पिलाया गया। इस मौके पर संस्था की ओर से अध्यक्ष राजेंद्र जैन ने पहलगाम में हुए नरसंहार कृत्य पर सभी मृत आत्माओं की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी आगंतुकों को संबोधित किया। इस मौके पर 2 मिनट का मौन भी रखा गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर संयोजिका चित्रा संघी, राखी गंगवाल, शालिनी काला, श्वेता जैन, अनीता ठोलिया एवं विमला पहाडियाँ का आभार व्यक्त किया गया।

सुशासन तिहार-2025 : 5 मई से 31 मई 2025 तक वार्डो में समाधान शिविर

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आम जनता को शासन की योजनाओं का लाभ देने उनसे संवाद स्थापित करने तथा उनकी समस्याओ के निराकरण के लिये सुशासन तिहार 2025 का आयोजन पूरे प्रदेश में किया जा रहा है, जिसके प्रथम चरण में 8 से 11 अप्रैल तक आयोजित शिविर मे प्राप्त आवेदनों का द्वितीय चरण में समाधान किया गया और आवेदको के समस्याओं का समाधान बताने तृतीय चरण में वार्डो में 5 मई से 31 मई 2025 तक प्रात: 10 बजे से संध्या 5 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किया जा रहा है। समाधान शिविर के लिये आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने अधिकारियों व कर्मचारियो को दायित्व सौपा है, जिसके नोडल अधिकारी सहायक अभियंता श्री प्रणय मेश्राम मो. नं. 83197 26288 तथा सहायक नोडल अधिकारी प्र.सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा मो. नं. 97705 19619 होगे। महापौर श्री मधुसूदन यादव ने बताया कि शासकीय कामकाज में पारदर्शिता तथा योजनाओं और कार्यक्रमो का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने शासन की पहल पर सुशासन तिहार 2025 आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रथम चरण में प्राप्त आवेदनों का द्वितीय चरण में उसका समाधान कर आवेदको को उनका समाधान बताने तथा शासन की योजनाओ का लाभ देने तृतीय चरण में वार्डो में शिविर आयोजित किया जा रहा है।

भगवान परशुराम के जन्मोत्सव समारोह में श्री परशुराम चौक मैत्री नगर में सफाई मित्रों का किया गया सम्मान

भिलाई (विश्व परिवार)। श्री परशुराम विप्र सेवा समिति भिलाई दुर्ग के तत्वाधान में दो दिवसीय भगवान श्री परशुराम जी का जन्मोत्सव समारोह बड़े ही धूमधाम और उत्सव के साथ मनाया गया सर्वप्रथम प्रथम दिवस महाराष्ट्रीयन ब्राह्मण जागृति सभा द्वारा भगवान श्री परशुराम जी की विशाल शोभायात्रा गजानन मंदिर हुडको सेक्टर से निकाली गई जिसमें सैकड़ो की संख्या में विप्रजन के साथ- साथ मातृशक्ति पारंपरिक वेशभूषा धारण कर शामिल होकर शोभायात्रा को और भी आकर्षक बना दिया यह शोभायात्रा भिलाई श्री परशुराम चौक, मैत्री नगर रिसाली पर श्री परशुराम विप्र सेवा समिति के संयोजक श्री अनिल मिश्रा के साथ उपस्थित बड़ी संख्या में उपस्थित सम्मानित विप्रजनों द्वारा पुष्प वर्षा एवं आतिशबाजी के साथ शोभा यात्रा का स्वागत किया गया तत्पश्चात भगवान श्री परशुराम जी की विधिवत पूजा अर्चना, महाआरती कर प्रसाद एवं छाछ का वितरण किया गया।

भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव समारोह के द्वितीय दिवस की शुरुआत में सर्वप्रथम भगवान श्री परशुराम चौक पर रिसाली नगर निगम के सफाई मित्रों को दोपहर भोजन पर आमंत्रित किया गया।

श्री परशुराम विप्र सेवा समिति भिलाई दुर्ग के जन्मोत्सव समारोह के भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर श्री गंगाजली एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष एवं शंकराचार्य यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री आई.पी. मिश्रा जी, कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिक निगम, रिसाली की आयुक्त एवं अपर कलेक्टर श्रीमती मोनिका वर्मा जी, अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व पुलिस अधीक्षक श्रीकांत द्विवेदी जी, सरयूपारीय ब्राह्मण समाज, भिलाई-दुर्ग के पूर्व अध्यक्ष श्री गिरिजा शंकर पांडेय जी, योग साधना एवं सांस्कृतिक केंद्र, मैत्री नगर के प्रमुख योगाचार्य श्री बी.एन.सिंह जी, कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज, छत्तीसगढ़ के प्रमुख राधे गोविंद बाजपेई जी, अंचल के समाजसेवी पप्पू चंद्राकर जी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सर्वप्रथम भगवान श्री परशुराम जी की मूर्ति के समक्ष अतिथियों द्वारा विद्वान पंडितों के मंत्रोचार एवं शंखनाद के बीच विधिवत पूजा अर्चना एवं महा आरती की गई तत्पश्चात प्रत्येक प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष में भी मुख्य अतिथि श्री आईपी मिश्रा जी द्वारा सफाई मित्रों को सम्मान स्वरूप भगवा पटका, पुष्प गुच्छ, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

महापौर ने एक मई विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर महापौर महा-सफाई अभियान की शुरुवात की

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम ।महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने एक मई विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर आज से महापौर महासफाई अभियान की शुरुवात की गई है। आज 1 मई से प्रतिदिन हर एक वार्ड में चलाया गया विशेष महापौर महासफाई अभियान ।शहर निगम क्षेत्र में महापौर के कुशल नेतृत्व में स्वच्छता के नए प्रतिमान गढ़े ।उनके कुशल नेतृत्व में शहर के कचरे व नालियों की बेहतर सफाई और अस्वच्छता के असुरों के अंत का प्रण लिया और शहर स्वच्छता का ताज पहनने की ओर कदम बढ़ाया ।इस क्रम में वार्ड क्रमांक 13 ओम परिसर से विशेष नालियों की सफाई अभियान शुरू किया गया ।सफाई अभियान के दौरान महापौर श्रीमती अलका बाघमार के साथ सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त सुमित अग्रवाल, स्वास्थ्य प्रभारी नीलेश अग्रवाल, नेताप्रति पक्ष व वार्ड पार्षद संजय कोहले सहित एमआईसी/पार्षदगण मौजूद रहे।

महापौर ने पूरे 3 घंटे तक वार्ड 13 क्षेत्र का निरीक्षण कर अपने मौजूदगी में नालियों की तल तक सफाई करवाया ।इस दौरान लोगों ने भी महापौर के समक्ष अपनी समस्याएं रखी ध्यान से सुनकर उन्होंने तत्काल नालियों की सफाई करवाकर समस्या का निराकरण करवाया। नालियों की दुर्दशा देखकर वे कर्मचारियों पर भड़क गए। उन्होंने दो टूक शब्दों में कह दिया की सफाई व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाह कर्मचारियों पर नाराजगी जताई ।उन्होंने कहा कि वार्डो के नालियों की सफाई होने के बाद स्वच्छता अधिकारी की जिम्मेदारी, निरन्तर फील्ड पर मॉनिटरिंग करते रहें ।आज सफाई के बाद दोनो में फिर इसी वार्ड का निरीक्षण करने की बात कही ।नालियों के पास बिल्डिंग मटेरियल व मलमा होने से महापौर दिखी नाराज, कहा सड़क पर बिल्डिंग मटेरियल व मलमा डालने वालो पर जुर्माना की कार्रवाही करें अधिकारी। वार्डो के पार्षदो से जानकारी लेकर कराए सफाई। महापौर महा-सफाई अभियान 1 मई से लेकर 8 जून तक शहर के 60 वार्डो में विशेष महापौर महा-अभियान किया जा रहा है। इस क्रम में 2 मई दिन शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 24 आमदी मंदिर वार्ड में महा सफाई अभियान किया जाएगा। सफाई अभियान के दौरान एमआईसी सदस्य देवनारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, शिव नायक, लीलाधर पाल, डॉ देवनारायण तांडी, कमल देवांगन, मनीषा सोनी, मनोज सोनी, साजन जोसफ, आशीष चन्द्राकर, युराज कुंजाम, ललिता ठाकुर, लोकेश्वरी ठाकुर, हरीश बंटी चौहान, प्रमोद पाटिल सहित उपायुक्त व नोडल स्वास्थ्य अधिकारी मोहेंद्र साहू आदि मौजूद रहें।

भारी वाहनों की आवाजाही रोकने महापौर परिषद ने लिखा यातायात को पत्र, महापौर परिषद ने लिया निर्णय

रिसाली (विश्व परिवार)। हाइवा, ट्रक और ट्रैक्टर जैसे भारी वाहनों की आवाजाही को रोकने रिसाली निगम यातायात विभाग को पत्र लिखेगा दुर्घटनाओं और क्षमता से अधिक वाहन चलने की वजह से सड़क क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में है। इस समस्या को परिषद के सदस्यों ने गंभीर माना। महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता में हुई महापौर परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया कि यातायात विभाग की मदद से भारी वाहनों के लिए समय निर्धारित किया जाए।

महापौर परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया कि बी.एस.पी. और अन्य भारी वाहन बेधड़क रिहायशी क्षेत्र में प्रवेश कर रही है। दुर्घटना की आशंकाओं को देखते हुए यातायात विभाग भारी वाहनों की आवाजाही के लिए समय का निर्धारण करे। परिषद के सदस्यों का कहना है कि बी एस पी और निजी भारी वाहन निगम की सड़को पर 24 घंटे दौड़ती रहती हैं पाश कॉलोनी से लेकर श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र मे अनियंत्रित गति से दौड़ती है। महापौर परिषद की बैठक में परिषद के सदस्य सनीर साहू, संजू नेताम, जहीर अब्बास, अनिल देशमुख, डॉ. सीमा साहू, ममता यादव उपस्थित थे।

डिजिटल नेम प्लेट लगाने प्रस्ताव- रिसाली निगम क्षेत्र के प्रत्येक घर और दुकान में डिजिटल नेम प्लेट लगाने प्रस्ताव तैयार कर शासन को स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। परिषद के सदस्य जहीर अब्बास ने कहा कि इससे एकरूपता रहेगी। नेम प्लेट से मूल जानकारी मिनटों में मिल जाएगी। दरअसल नेम प्लेट में क्यू आर कोड होगा। जिसे स्कैन करने से टैक्स संबंधी जानकारी के साथ पार्षद और वार्ड का डिटेल आ जाएगा। इसे तैयार करने प्रत्येक में लगभग 80 से 100 रूपए का खर्च आएगा।

536 को मिलेगा पेंशन- महापौर परिषद के सदस्यों ने ऐसे 536 आवेदनों पर मुहर लगाया है। दरअसल यह आवेदन पेंशन के है। हितग्राहियो ने आवेदन प्रस्तुत कर पेंशन की मांग की है। इन आवेदनों में केन्द्रीय पेंशन योजना के 426 और राज्य पेंशन के 110 है।

रीवा में पहली बार आयोजित हुआ जल प्रबंधन पर कार्यशाला

छलका ग्रामीणों का दर्द

आरंग (विश्व परिवार)। ग्राम रीवा में गुरुवार को स्वयंसेवी सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन व समस्त ग्रामवासी ग्राम पंचायत रीवा के संयुक्त संयोजन में ग्राम में जल संरक्षण और जल प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। सर्वविदित है कि लंबे अर्से से रीवा गांव में जबरदस्त जलसंकट है ।कार्यशाला में ग्रामीणों का दर्द छलका। उन्होंने अपनी परेशानी खुलकर बताते हुए कहा अन्य गांवों से पानी लाकर गुजारा करते है ।सरकार हमारे गांव के लिए कहीं से भी पानी का इंतिजाम करें।

वहीं जल संकट निवारण के लिए भूगर्भीय जल का सर्वेक्षण करने दुर्ग से जिवोलाजिस्ट घनश्याम वर्मा, रितेश कुमार ताम्रकार, सर्वेयर गिरिराज वर्मा विशेष रूप से पहुंचे थे ।वहीं पीएचई विभाग से उपअभियंता रानू दिनकर पहुंचकर जल संकट निवारण के लिए हर संभव प्रयास करने पर जोर दे रही थीं। गांव में भूमिगत जल स्रोत की संभावनाओं पर सर्वेक्षण किया गया। तत्पश्चात हाई स्कूल प्रांगण में आयोजित कार्यशाला में जल प्रबंधन व संरक्षण पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ग्रामीणों को जानकारी दी गई। बारिश के जल को वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के माध्यम से रिचार्ज करने की तकनीक पर जोर दिया गया, जिससे कि गांव को जल संकट से उबारा जा सके। कार्यशाला में रीवा सहित जल अभावग्रस्त पांच गांवों के लिए निसदा डायवर्सन से जलापूर्ति करने की मांग शासन स्तर से करने पर जोर दिया गया। कार्यशाला में जनपद पंचायत प्रतिनिधि कृष्णा महेश साहू, पूर्व जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि डूमेंद साहू, उपसरपंच सूरज साहू, सेवानिवृत्त शिक्षक मेहतर राम साहू, संतोष साहू, ईश्वरी प्रसाद साहू ने जलसंकट के कारण और संभावित निवारण पर संबोधित किया।

पीपला फाउंडेशन के संरक्षक आनंदराम पत्रकारश्री ने जल संरक्षण व प्रबंधन के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करते हुए कहा पानी किसी फैक्ट्री में नहीं बनाया जा सकता है ।कल के लिए जल को बचाने की आज महती आवश्यकता है। ग्रामीणो ने भी लंबे अर्से से गांव में जल समस्या बने रहने पर चिंता जाहिर की। साथ ही पीपला फाउंडेशन द्वारा गांव के जल संकट पर शोध अध्ययन व कार्यशाला आयोजन की मुक्त कंठ से सराहना की।

ग्राम के वरिष्ठ बुजुर्ग मेहतर राम साहू ने कहा पानी की समस्या पर हमारे गांव में पहली बार कार्यशाला का आयोजन हुआ है। पीपला संगठन द्वारा ग्रामीणों की तकलीफ को महसूस करते हुए यह आयोजन हमारे गांव के जल समस्या पर सराहनीय कदम है। कार्यशाला के आयोजन संयोजन में प्रमुख योगदान ग्राम सरपंच घसिया राम साहू, उपसरपंच सूरज साहू, समस्त पंचगण, पीपला फाउंडेशन से पारसनाथ साहू,महेन्द्र कुमार पटेल, कोमल लाखोटी, रमेश देवांगन, ईश्वरी प्रसाद साहू,पोखराज साहू का योगदान सराहनीय रहा।

इस मौके संतराम साहू, शोभाराम साहू ग्राम कुकरा से पूर्व उपसरपंच सुकुल साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति व सहभागिता रही।

बच्चों को विरासत के संस्कारों से जोड़ने जैन संवेदना ट्रस्ट की अभिनव कार्यशाला

गर्मी की छुट्टियों में बच्चे मोबाईल से दूर रहकर संस्कारों से जुड़े, होमवर्क देने स्कूली टीचर्स की कार्यशाला

छुट्टियों में बच्चे समय का सदुपयोग करें व विरासत के संस्कारों को सहेजें- प्रोजेक्ट देने हुई कार्यशाला

रायपुर (विश्व परिवार)। स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां आरम्भ हो गई है। 45 दिनों के लम्बे अवकाश में बच्चे विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में समय व्यतीत करते हैं। ज्यादा समय मोबाईल में रील्स देखने में व्यतीत करते हैं, छुट्टियों में बच्चे समय का सदुपयोग करें व विरासत के संस्कारों को सहेजें ताकि बच्चों में सहनशीलता, धैर्य, अनुशासन, संस्कार व करुणा जैसे गुणों का विकास हो सके। स्कूलों से बच्चों को 45 दिनों के लिए होमवर्क दिया जाता हैं। होमवर्क में नवीनता लाने जैन संवेदना ट्रस्ट ने सहेजें अपने विरासत के संस्कारों को विषय पर स्कूली टीचर्स के लिए कार्यशाला का आयोजन किया है।

जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर ने आगे बताया कि वर्तमान परिवेश में अनुभव किया जा रहा है कि बच्चों में सहनशीलता, धैर्य की कमी देखी गई है। बच्चे सत्य से दूर भाग रहे हैं, वे अपना अधिकतम समय टी वी, मोबाईल, कम्प्यूटर में व्यतीत कर रहे हैं। एकाकी जीवन के कारण डिप्रेशन की स्थिति निर्मित हो रही है। बच्चों को इन विपरीत परिस्थितियों से उभारने जैन संवेदना ट्रस्ट ने अनूठा प्रोजेक्ट तैयार किया है व स्कूलों के माध्यम से कार्यशाला आयोजित कर टीचर्स को ट्रेनिंग दी जा रही है। प्रसिद्ध शिक्षाविद व मोटिवेशनल स्पीकर विजय चोपड़ा ने वर्धमान द स्कूल, सन्तोषीनगर में आयोजित कार्यशाला में टीचर्स को 6 बिंदुओं का मंत्र दिया। जिसके आधार पर बच्चों को 45 दिनों के वेकेशन में प्रेक्टिकल कर प्रोजेक्ट लिखकर तैयार करना है। सर्वप्रथम दादा - दादी, नाना - नानी अथवा ऐसे वरिष्ठ परिजनों के साथ समय व्यतीत करना उनके अनुभव व संस्कारों को समझना उसके अनुसार प्रोजेक्ट बनाना है, इस संबंध में टीचर्स को जानकारी दी गई। प्रत्येक बच्चे को अपने माता पिता, बड़े भाई बहन व परिजनों के साथ अपने धार्मिक स्थल जाना, वहाँ के आत्मिक अनुभव को साझा करना है। मोटिवेशनल स्पीकर विजय चोपड़ा ने कार्यशाला में आगे बताया कि बच्चों को मोहल्ले के वरिष्ठजनों से परिचय बढ़ाना है, उनके अनुभव व्यवहार से सीखना है और अपना प्रोजेक्ट तैयार करना है। चोपड़ा ने आगे कहा कि बच्चों को पर्यावरण से जुड़कर जीवन जीना सीखना है, और अपने अनुभवों को प्रोजेक्ट के माध्यम से साझा करना है। बच्चों को अपने व्यवहार में दया, करुणा के गुणों का विकास कैसे हो इस दिशा में दैनिक जीवन में आचरण करना है, प्राणिमात्र के प्रति छोटी छोटी सहयोग की भावना रखते हुए कार्य करना और उन्हें प्रोजेक्ट के माध्यम से दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करना है। अपने परिजनों के साथ प्रेमभाव बना रहे व बढ़े इस हेतु दिन में एक समय का भोजन सभी साथ बैठकर करें, व आपस में सार्थक चर्चा करते रहें। कार्यशाला के माध्यम से टीचर्स को उपरोक्त प्रोजेक्ट के विषय में मोटिवेशनल स्पीकर विजय चोपड़ा ने विस्तार से समझाया जिससे टीचर्स आगामी 45 दिनों के लिये बच्चों को होमवर्क में उपरोक्त विषयों का समावेश कर सके।

www.vishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@yahoo.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शुक्रवार 02 मई 2025

संक्षिप्त समाचार

बीरीघाट में गूंजा भक्ति का स्वर, अष्ट प्रहरी नाम यज्ञ में उमड़ा भक्तों का सैलाब

गरियाबंद(विश्व परिवार)। गरियाबंद ज़िला के बीरीघाट इस बार भक्ति के रंग में पूरी तरह रंगा नजर आ रहा है , जब उड़ीसा से आए संकीर्तन मंडलियों की गूंज हरे राम हरे कृष्णा के जयघोष से पूरे क्षेत्र में जयकारा कर भक्तिमय बना दिया। लगभग 12,000 से 13,000 श्रद्धालु इस पावन संकीर्तन और भंडारा महोत्सव में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण कर रहे है। कार्यक्रम की भव्यता ने स्थानीय ग्रामीणों और दूर-दराज़ से आए भक्तों को भावविभोर कर दिया। बीरीघाट पंचायत से लेकर बीरीघाट गांव तक भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी हुई है जिससे लोगों को आने-जाने में कठिनाई का सामना तो करना पड़ा, फ़िर भी किसी के चेहरे पर शिकन तक नहीं दिखी—सभी भक्ति रस में डूबे नज़र आए। सेवा भाव में भी भक्त पीछे नहीं रहे। सैकड़ों लोगों ने भंडारा आयोजन, जल सेवा और अन्य कार्यों में योगदान दिया। संकीर्तन मंडली का नेतृत्व उड़ीसा से आए समर्पित साधकों ने किया, जिनके स्वर और ताल से वातावरण आध्यात्मिकता से ओतप्रोत हो गया। गोलामाल गाँव में भी अष्ट प्रहरी नाम यज्ञ का आयोजन धूमधाम से किया गया, जिसमें क्षेत्र से बड़ी संख्या में भक्त सम्मिलित हुए। बीरीघाट संकीर्तन अष्ट प्रहरी में कर्ता गांव के पति पत्नी जोड़ी समल माझी और सुशीला मांझी ने पूरे आयोजन का संचालन बड़ी कुशलता से किया।

नक्सलियों के विरुद्ध पुलिस का अभियान जारी

बीजापुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर पहाड़ियों पर सुरक्षाबल के जवानों ने नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ा ऑपरेशन लांच किया है. बीजापुर में लगातार 9वें दिन ऑपरेशन करेगुट्टा जारी है. मिली जानकारी के मुताबिक करेगुट्टा पहाड़ पर जवानों ने कब्जा कर लिया है. सूत्र बताते हैं कि जवानों ने इलाके को घेर लिया है. इस इलाके में तापमान 40 से 44 पहुंच गया है. जवानों ने पहाड़ी के नीचे अस्थाई कैंप बना लिया है. इस इलाके में ऑपरेशन लागाता जारी है.ऑपरेशन के दौरान तेज गर्मी से कई जवान डिहाइड्रेशन के शिकार हुए तो दो जवान नक्सलियों के लगाए आईईडी से घायल भी हुए है। लगभग 10 से 12 हजार जवान इस ऑपरेशन में हिस्सा ले रहे हैं, जो नक्सलियों को घेरने और उनके बंकरों को ध्वस्त करने में जुटे हैं।

जगदलपुर की सड़कों का होगा कायाकल्प

जगदलपुर(विश्व परिवार)। शहर की सड़कों का अब कायाकल्प होगा। करोड़ों रुपयों की लागत से प्रमुख सड़कों का मजबूतीकरण और चौड़ीकरण होगा। इन कार्यों का भूमिपूजन आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव और महापौर संजय पाण्डेय ने किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर के विधायक किरण सिंह देव, महापौर संजय पाण्डे, एमआईसी सदस्य व पार्षदों की उपस्थिति में आज जगदलपुर नगर निगम क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।भूमिपूजन समारोह कैलाश होटल चौक, धरमपुरा में आयोजित किया गया। अग्रसेन चौक से पल्ली नाका तक रोड चौड़ीकरण एवं मरम्मत कार्य लंबाई 5 किमी लागत 2791.67लाख, कैलाश होटल धरमपुरा से हनुमान मंदिर तक रोड चौड़ीकरण कार्य लंबाई 1 किमी लागत 250.89 लाख, विवेकानंद आश्रम से नेगीगुड़ा होते हुए सर्वोदय स्कूल तक चौड़ीकरण कार्य लंबाई 1.45 किमी लागत 281.48 लाख का भूमिपूजन हुआ है।

सुशासन तिहार में संवेदनशीलतापूर्वक करें आवेदनों का निराकरण : कलेक्टर

आवेदनों के निराकरण में गति लाने के दिए निर्देश

ग्रामीण क्षेत्रों में बंद पड़े हैण्डपंप की मरम्मत करने के दिए निर्देश

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की गहन समीक्षा की। उन्होंने आवेदनों के निराकरण में गति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री भुरे ने कहा कि सुशासन तिहार शासन की महत्वपूर्ण पहल है। जनमानस से जुड़े आवेदनों के समाधान के लिए संवेदनशीलतापूर्वक कार्य करें। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार अंतर्गत प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, वृद्धावस्था पेंशन, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीडीएस दुकान, राशन कार्ड, भूमि पट्टा, विद्युतीकरण सहित विभिन्न मुद्दों से संबंधित आवेदन आए हैं, इनका गुणवत्तापूर्ण समाधान करें। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बंद पड़े हैण्डपंप की मरम्मत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकाल को देखते हुए पेयजल की आपूर्ति के लिए मोंगरा बैराज से 1000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। अवैध रूप से कोई भी पानी नहीं ले यह सुनिश्चित करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों को निरीक्षण करने के लिए कहा। कलेक्टर ने कहा कि बारिश के दिनों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विद्युत की सतत आपूर्ति होती रहे तथा इसके अनुरूप संधारण एवं रख-रखाव करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी एसडीएम को बारिश के पहले नगरीय निकायों में साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कहा कि जिले में भू-जल स्तर में आई कमी के दृष्टिगत मिशन जल रक्षा को आगे बढ़ाना है। कृषि, उद्यानिकी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित अन्य सभी संबंधित विभाग जनसहभागिता से जल संरक्षण की दिशा में बेहतरीन कार्य करें। कलेक्टर ने कहा कि नगरीय निकाय में विशेष कर शहर में पौधरोपण के लिए स्थानों का चिन्हांकन करें। उन्होंने शहरों में फलदार एवं छायादार पौधे लगाने के लिए कहा। उन्होंने जिले में बारिश के मौसम में पौधरोपण करने के लिए तैयारी करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 10 मई को लोक अदालत में मनरेगा, पेंशन, राशन कार्ड सहित विभिन्न मुद्दों पर समाधान के लिए सभी विभाग आवश्यक जानकारी दें। कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवास के कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड के संबंध में जानकारी ली। जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह ने कहा कि सुशासन तिहार अंतर्गत निराकरण के बाद पावती जरूर लें। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माणधीन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए कहा। पौधरोपण के कार्य जसहभागिता से सभी को करना है। इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी श्री आयुष जैन, अपर कलेक्टर श्री सीएल मारकण्डेय, नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, एसडीएम राजनांदगांव श्री खेमलाल वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चिकित्सा अधिकारी की लापरवाही से नहीं हुई गर्भवती की मृत्यु - सीएमएचओ डॉ.गार्गी

अस्पताल पहुंचने के पहले ही महिला की हो चुकी थी मृत्यु

गरियाबंद(विश्व परिवार)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छुरा में 29 अप्रैल को डॉक्टर की लापरवाही से गर्भवती की मृत्यु होने के संबंध में कुछ जगह खबर प्रकाशन के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गार्गी यदु पाल ने बताया कि जिला कार्यालय स्वास्थ्य विभाग द्वारा उक्त घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गई। उन्होंने बताया कि खण्ड चिकित्सा अधिकारी-छुरा द्वारा डॉ. की लापरवाही से महिला की मृत्यु का खण्डन किया गया है। उक्त प्रकरण के संबंध में सीएमएचओ ने बताया कि मृतक जिसकी उम्र 27 वर्ष थी जो कि ग्राम-खैरझिटी, विकासखण्ड-छुरा, जिला-गरियाबंद की निवासी थी, जो 07 माह की गर्भवती थी। उनके पेट में अत्यधिक दर्द होने के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छुरा अस्पताल में 28 अप्रैल 2025 को लगभग समय प्रातः 11:30 बजे लाया गया था। उस समय वह बेसुध-बेहोश होने के कारण डाक्टर द्वारा तुरंत प्रसव कक्ष में शिफ्ट कराकर जांच किया गया। जांच उपरांत पाया गया कि महिला की धड़कन रूक चुकी थी। ई.सी.जी. भी किया गया, अन्य जांच के पश्चात् डॉ. डी.एस. निषाद द्वारा गर्भवती को मृत घोषित किया गया। अस्पताल पहुंचने के पहले ही महिला की मृत्यु हो चुकी थी, बताया जाना पाया गया। जिसके आधार पर यह कहना कि ईलाज में देरी या डाक्टर की लापरवाही सही प्रतीत नहीं होती है। डॉ. गार्गी यदु पाल ने बताया कि डॉक्टर द्वारा तुरंत छुरा थाने में सूचना दी गई और दोपहर में ही कार्यपालिक दण्डाधिकारी के उपस्थिति में दो डाक्टरों डॉ. डी. एस. निषाद व डॉ. बी. बी. आर्या की टीम गठित कर महिला का पोस्टमार्टम किया गया। पूरे पोस्टमार्टम प्रक्रिया का पुलिस के द्वारा विडियों ग्राफी भी कराया गया। साथ ही महिला के विसरा को राशायनिक परीक्षण हेतु संरक्षित रखा गया। मृत महिला के पति से जानकारी लेने पर बताया गया कि घर में ही उसकी स्थति गंभीर थी। उसकी पत्नि का यह द्वितीय गर्भधारण था। उनका पहला बच्चा अगस्त 2023 में सिजेरियन से जन्म लिया था, वर्तमान मे उनका पहला बच्चा की उम्र 1 साल 8 माह है। मृतिका का यह द्वितीय गर्भधारण उच्च जोखिम की श्रेणी में था, जिसे स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रथम तिमाही में गर्भवस्था का पंजीयन कराकर उसे सही समय पर टीका व सभी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदाय की जा रही थी।

सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का घर घर दस्तक देकर हो रहा निराकरण

धमतरी(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित सुशासन तिहार आमजनों के लिए उनकी समस्या को दूर करने का सुनहरा अवसर बनकर सामने आया है। इस त्यौहार में शामिल लोगों ने भरोसा है कि विष्णु के सुशासन में उनकी समस्याओं का समाधान जरूरी होगा। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रदेश के प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति ने अपनी-अपनी समस्या संबंधी आवेदन समाधान पेटी में डालकर समाधान की उम्मीद लगायी है। अभियान के अंतर्गत अब सरकारी तंत्र घर-घर, गली-मोहल्ला गांव-गांव पहुंचकर समस्याओं का समाधान कर रही है। लोगों की समस्याओं का निराकरण उनके घर पर ही हो रहा है। जिले में सुशासन तिहार के तहत मिले आवेदनों पर कार्यवाही कर विभाग द्वारा आवेदकों के घर-घर जाकर आधार कार्ड बनवाने या उसमें सुधार किया जा रहा है। जिला प्रशासन की टीमें गांव-गांव जाकर आवेदनों का निराकरण कर रही हैं। सुशासन तिहार के अन्तर्गत सेक्टर सांकरा के अन्तर्गत ग्राम मौहाबाहरा से आयुष्मान कार्ड बानये जाने हेतु 13 हितग्राहीयो का मांग पत्र प्राप्त हुआ जिसके तहत् 29 अप्रैल को स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा हितग्राहीयो के घरो मे जाकर आयुष्मान काड, ईकेवायसी किया गया एवं कार्ड प्रदान किया गया। हितग्राहियो के मांग पत्र मे 6 हितग्राहियो का ईकेवायसी पहले से पूर्ण हो चुका था। शेष कमेश्वर यादव उम्र 20 पिता मंगल सिंह , जयप्रिया उम्र 9 वर्ष पिता बालाराम ,तेजमल उम्र 16 वर्ष पिता सुमारसिंग , गुहारिन बाई उम्र 60 एवं शांति का ईकेवायसी कर आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। आयुष्मान कार्ड बन जाने से हितग्राहियों को खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब उन्हें व उनके परिजनों के स्वास्थ्य की चिंता नहीं रहीं। क्योंकि प्रदेश के मुखिया श्री विष्णुदेव साय उनके स्वास्थ्य की चिंता कर रहे है।

बस्तरिहा युवा भी भरेंगे अब आसमान में उड़ान

जगदलपुर(विश्व परिवार)। बस्तर संभाग की पहली और एकमात्र एवियशन एकेडमी स्काई विंग्स एवियेशन एकेडमी जगदलपुर में विमानन क्षेत्र में रोजगार के विविध अवसरों के संबंध में आज जिले के सभी शासकीय और निजी विद्यालयों के प्राचार्यों और शिक्षकों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों व कॅरिअर परामर्श में रुचि रखने वाले सभी को आमंत्रित किया गया था। विद्यालयों के प्राचार्य व शिक्षक विमानन क्षेत्र में करियर व रोजगार की असीम संभावनाओं को देखते हुए करियर मार्गदर्शन व परामर्श का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर जगदलपुर संजय पांडे, जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल, पत्रकार संघ के अध्यक्ष मनीष गुप्ता , जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अरुण दास उपस्थित रहे। संस्था में अध्यनरत छात्राओं ने अतिथियों का स्वागत कर उन्हें अपनी पहली उड़ान हवाई मार्ग से हैदराबाद जाने के बारे में बताया। स्काई विंग्स एवियेशन एकेडमी की संचालिका सुदत्ता दास ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और पत्रकारों को अवगत कराया कि बस्तर जैसे आदिवासी अंचल से भी लड़के व लड़कियां विमानन क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकते हैं। भविष्य में सभी छोटे छोटे शहर विमान सेवाओं से जुड़ेंगे तब यहां के बच्चों को रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। बहुत सारे रोजगार के अवसर खुलेंगे। 12वीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं इस क्षेत्र में एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स करके आसानी से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गाय आवश्यक गौ सेवा आयोग अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल

गरियाबंद(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री विशेषर सिंह पटेल ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने गौ संरक्षण, गौ संवर्धन, गौ उत्पाद और गौ पालन के प्रति जागरूकता लाने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने पशु चिकित्सा विभाग, पंचायत विभाग, नगरीय निकाय सहित सभी संबंधित विभागों को जमीनी स्तर पर गाय के विभिन्न महत्व को बताते हुए आमजन को जागरूक करने कहा। श्री पटेल ने गो वंश के जागरूकता अभियान में गौ शालाओं तथा स्वयंसेवी संस्थाओं से भी भागीदारी निभाने की अपील की। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री निखिल राखेचा, अपर कलेक्टर श्री अरविंद पांडे, श्री प्रकाश राजपूत उप संचालक पशुधन विकास विभाग श्री ओ पी तिवारी, पशु चिकित्सक गण, कृषि, राजस्व विभाग के अधिकारी सहित जिले के गौशाला संचालक गण भी मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री विशेषर सिंह पटेल ने बैठक में गौ माता के विभिन्न महत्व के बारे में बताया। उन्होंने गायों के लिए आश्रय स्थल की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा विभागीय अधिकारी कर्मचारी और स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से भी जन-जन को जमीनी स्तर पर गाय के महत्व को समझाने और जागरूक करने कहा। उन्होंने पुलिस विभाग को गायों की तस्करी पर विशेष निगरानी रखते हुए इसे रोकने के लिए सजगता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने गौ सेवा के लिए जिले में बेहतर कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि गाय के दूध के साथ उनके गोबर एवं मूत्र भी फायदेमंद होते है। इसमें विभिन्न प्रकार के लाभदायक जीवाणु पाए जाते है। श्री पटेल ने कहा कि लोगों को गाय के संरक्षण एवं आश्रय के लिए जागरूक किया जाए। जिससे सड़कों में कोई भी मवेशी निराश्रित न रहे। उन्होंने कहा कि मवेशियों के बेहतर रख रखाव एवं संरक्षण के लिए सरकार गो धाम योजना ला रही है। इसके माध्यम से पशुओं के रखरखाव के लिए सुविधाएं विकसित की जाएगी।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सहकारी समितियों में खाद बीज की स्थिति का जायजा लिया

सारंगढ़ बिलाईगढ़(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों को पर्याप्त खाद बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सारंगढ़ विकासखंड के सेवा सहकारी समिति कोतरी और हरदी का निरीक्षण किया। डॉ संजय कन्नौजे ने कोतरी समिति में आए किसान से खाद बीज उठाव के संबंध में पूछताछ किया। कलेक्टर ने इन दोनों समितियों के प्रबंधक से खाद बीज की भंडारण और किसानों द्वारा उठाव की जानकारी ली और निर्देश दिए कि बड़े किसान सहित सभी किसान जिनके घर, भंडार कक्ष, खलिहान आदि में खाद भंडारित करने का पर्याप्त स्थान है तो वे अपने समिति से खाद बीज का उठाव शीघ्र कर लें। यदि खाद बीज का उठाव होगा तब ही अपने उच्च कार्यालय से खाद बीज की मांग जाएगी, जिसके आधार पर आगामी दिनों में और खाद बीज केंद्र और राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी।

इसलिए किसानों द्वारा खाद बीज का उठाव करना जरूरी है। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने कृषि और सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने फील्ड में जाएं और निजी दुकानों के खाद बीज की स्थिति की जांच करें। यदि अधिक और अवैध भंडारण किया गया है तो ऐसे समिति पर कार्रवाई करें। कोतरी के प्रबंधक ईश्वर साहू ने कलेक्टर को जानकारी दी कि उनके समिति में 450 बोरी स्वर्णा बीज और डीएपी खाद 500 बोरी, सुपर फास्फेट खाद 600 बोरी और यूरिया 1400 बोरी भंडारित किया गया है। इसी प्रकार हरदी समिति प्रबंधक ने कलेक्टर को जानकारी दी कि उनके यहां 1050 बोरी स्वर्णा और 1120 यूरिया खाद भंडारित है। निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त सहकारिता व्यासनारायण साहू उपस्थित थे। डीएपी के बदले यूरिया, सुपर फास्फेट खाद का उपयोग करे किसान आगामी जून जुलाई की खरीफ फसल सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के किसान मुख्य रूप से धान की खेती करते हैं। इस फसल में प्रमुख खाद यूरिया एवं डीएपी का बहुतायत में उपयोग किया जाता है। जिले के किसानों को सुगमतापूर्वक रासायनिक खाद उपलब्ध कराने हेतु अग्रिम उठाव करने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस वर्ष डी.ए.पी. की अल्प आपूर्ति संभावित है, जिसको देखते हुए उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव ने जिले के किसानों को अन्य विकल्प के खादों का उपयोग करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि सभी कृषि साख समितियों में खाद का भंडारण किया जा रहा है। सभी किसान अपने समिति में जाकर खाद की उपलब्धता पर खाद का उठाव अपनी सुविधा अनुसार शीघ्र कर लें। यूरिया सुपर फास्फेट का उपयोग डीएपी के विकल्प के रुप में किया जा सकता है जो कि विपणन संघ के डबल लॉक में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करायी जा रही है। प्रारंभिक डोज के रुप में पौधों को फॉस्फोरस की आवश्यकता होती है जो एसएसपी में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। यह जड़ों के विकास के लिए आवश्यक है। एसएसपी के उपयोग से 16 प्रतिशत फॉस्फोरस,11 प्रतिशत सल्फर तथा 18-21 प्रतिशत कैल्शियम प्राप्त होता है। एक बोरी डीएपी से मिलने वाले तत्वों की पूर्ति हेतु आधा बोरी यूरिया तथा तीन बोरी एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) का प्रयोग किया जा सकता है। अन्य वैकल्पिक उर्वरकों का अनुशंसित मात्रा उपयोग करने की सलाह दी जा रही है।

व्यापार समाचार

एसबीआई के साथ लैंड पोर्ट ऑथोरिटी ने साइन किया एमओयू, 18 लाख से ज्यादा लोगों को होगा फायदा

नई दिल्ली। लैंड पोर्ट ऑथोरिटी ने देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन किया है। इसके तहत सरकारी बैंक लैंड पोर्ट ऑथोरिटी को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करेंगी, जिसमें फॉरेन एक्सचेंज, एक्सपोर्ट-इंपोर्ट, कार्ड पेमेंट सर्विसेज और कॉरपोरेट सैलेरी पैकेज शामिल हैं। इससे 18 लाख से ज्यादा लोगों को फायदा होगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के चीफ जनरल मैनेजर देबाशीष मिश्रा ने बताया कि यह सभी बैंकिंग सर्विसेज लैंड पोर्ट ऑथोरिटी के एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर प्रदान की जाएंगी। फिलहाल लैंड पोर्ट ऑथोरिटी के पास 15 एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स हैं और इनमें 11 और जुड़ने वाले हैं। आगे चलकर बैंक इसके हिसाब से ही अपनी सेवाओं का विस्तार करेगा। उन्होंने आगे कहा कि लैंड पोर्ट ऑथोरिटी के जरिए करीब 18 लाख लोग हमारे देश से बाकी देशों जैसे नेपाल, भूटान और बांग्लादेश जाते हैं। बैंक इन सभी लोगों को जरूरी बैंकिंग सेवाएं प्रदान करेगा। एसबीआई के शीर्ष अधिकारी ने आगे बताया कि हमारे पास लैंड पोर्ट ऑथोरिटी के आस-पास 11 ब्रांच हैं और आगे अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए नई ब्रांच या बैंकिंग आउटलेट खोलेंगे। मिश्रा के मुताबिक, बैंक की योजना अगले छह महीने में पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश सीमा पर मौजूद पेत्रापोल और बिहार में नेपाल सीमा पर मौजूद रक्सौल समेत तीन एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स को कवर करने की है। जहां से 80 प्रतिशत लोग आते-जाते हैं। मिश्रा ने आगे बताया कि हम फिजिकल के साथ डिजिटल बैंकिंग सेवाएं भी लोगों को प्रदान करेंगे, जिसमें नेट बैंकिंग, फोन बैंकिंग, डेबिट-क्रेडिट कार्ड, फॉरेन ट्रैवल कार्ड और पीओएस भी शामिल होगा। इससे इलाके के लोगों को वन-स्टॉप बैंकिंग सॉल्यूशन भी मिलेगा। एसबीआई देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक है। इसके पास 50 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं और 22,500 से अधिक ब्रांचों के साथ इसकी उपस्थिति पूरे देश में है। साथ ही बैंक के पास 63,580 एटीएम भी हैं।

क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक करने के हैं कई फायदे, मिलेंगे रिवॉर्ड्स

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन के बीच यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस ने लेनदेन को बेहद सरल बना दिया है। अब, यूपीआई को क्रेडिट कार्ड से लिंक करने का विकल्प भी लोकप्रिय हो रहा है, खासकर ऋह्वक्क्षु4 क्रेडिट कार्ड के साथ। यह एक ऐसा कदम है जो आपके भुगतान अनुभव को और भी बेहतर बना सकता है, बशर्ते इसका इस्तेमाल सावधानी से किया जाए। यूपीआई ने देश में पेमेंट के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। अपने ऋह्वक्क्षु4 क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक करके, आप सीधे अपनी क्रेडिट लिमिट का उपयोग करके यूपीआई पेमेंट कर सकते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको हर जगह फिजिकल क्रेडिट कार्ड साथ लेकर चलने की आवश्यकता नहीं पड़ती। क्रेडिट कार्ड का एक प्रमुख आकर्षण उनके द्वारा दिए जाने वाले रिवॉर्ड्स और कैशबैक होते हैं, जो अक्सर डेबिट कार्ड से बेहतर होते हैं। ऋह्वक्क्षु4 क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक करने पर आपको यूपीआई लेनदेन पर भी रिवॉर्ड पॉइंट्स या कैशबैक मिल सकता है, जिससे आपके खर्च पर बचत हो सकती है। क्रेडिट कार्ड से हर जगह पेमेंट करना, खासकर छोटी दुकानों या वेंडर्स के पास जहां पीओएस मशीनें नहीं होतीं, मुश्किल हो सकता है। लेकिन यूपीआई क्यूआर कोड लगभग हर जगह उपलब्ध हैं। यूपीआई से लिंक किए गए क्रेडिट कार्ड के जरिए आप इन क्यूआर कोड को स्कैन करके तुरंत पेमेंट कर सकते हैं, जिससे भुगतान की सुविधा बढ़ जाती है। यूपीआई से क्रेडिट कार्ड लिंक करने से आपके पास एक अतिरिक्त और आसान पेमेंट बैकअप विकल्प उपलब्ध हो जाता है। यह तब बहुत उपयोगी साबित हो सकता है जब आपको कोई बड़ी खरीदारी करनी हो या किसी अप्रत्याशित आपातकालीन स्थिति में तुरंत पैसों की जरूरत पड़े। कुल मिलाकर, ऋह्वक्क्षु4 क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ना डिजिटल भुगतान को अधिक सुविधाजनक और फायदेमंद बना सकता है, जिससे यूजर्स रिवॉर्ड्स और आसानी से क्रेडिट एक्सेस जैसे लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि, वित्तीय अनुशासन बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने के आरोप में मजदूर की पीट-पीटकर हत्या, 20 लोग गिरफ्तार

मंगलुरु। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले और देशभर में फैले गुस्से के माहौल के बीच कर्नाटक के मंगलुरु जिले से एक विचलित करने वाली घटना सामने आई है। यहां पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने के आरोप में भीड़ ने एक दिहाड़ी मजदूर की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अब तक 20 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि मृतक की पहचान केरल के वायनाड निवासी अशरफ (ह्यद्धह्ड्डद्ध) के रूप में हुई है। अशरफ मंगलुरु में मजदूरी का काम करता था। पुलिस ने इस हत्या के संबंध में अब तक 20 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है, जबकि इस घटना में शामिल अन्य 5 आरोपियों की तलाश जारी है।

यह घटना बीते रविवार की शाम करीब 5.30 बजे उस समय प्रकाश में आई जब पुलिस को कुडुपु इलाके में एक अज्ञात शव मिलने की सूचना मिली। शुरुआती तौर पर शव पर कोई बाहरी चोट का निशान नहीं दिख रहा था, जिसके चलते पुलिस ने शुरुआत में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया था और शव को पोस्टमार्टम के लिए वेनलॉक जिला अस्पताल भेजा गया था। कुलशेखर निवासी दीपक कुमार ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस ने घटना स्थल से मिले सुरागों और सोशल मीडिया पर साझा किए गए तस्वीरों और वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की और उनकी धरपकड़ शुरू की। पुलिस की शुरुआती जांच और आरोपियों से पूछताछ में सामने आया है कि क्रिकेट मैच देखने के दौरान अशरफ ने कथित तौर पर पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाए थे। इससे वहां मौजूद करीब 25 युवक भड़क गए और उन्होंने अशरफ पर हमला कर दिया।

सरकारी प्रोत्साहन और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश से ईवी को तेजी से अपना रहे भारत के लोग : रिपोर्ट

नई दिल्ली। सरकारी प्रोत्साहन और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश से स्थानीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। इसके साथ ही कई नीतिगत उपाय और इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार, बाजार को 2030 के लक्ष्य के करीब लाने में मदद कर रहे हैं। काउंटरपॉइंट के लेटेस्ट 'इंडिया पैसेंजर व्हीकल मॉडल सेल्स ट्रैकर' के अनुसार, भारत के यात्री वाहन (पीवी) की बिक्री 2024 में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़कर 4.3 मिलियन यूनिट से अधिक हो गई। इस कुल पीवी बिक्री में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) की 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी दर्ज की गई है, जो सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यात्री बीईवी की बिक्री में वृद्धि का श्रेय कई नए मॉडलों के लॉन्च को दिया जा सकता है, जिनमें टाटा कर्व.ईवी, एमजी विंडसर, बीवाईडी सील, बीवाईडी ईमैक्स 7 और टाटा पंच.ईवी रिफ्रेश शामिल हैं। भारत सरकार ने ईवी अपनाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इस लक्ष्य के तहत 2030 तक यात्री वाहन सेगमेंट में 30 प्रतिशत, संयुक्त दोपहिया और तिपहिया सेगमेंट में 80 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहन सेगमेंट में 70 प्रतिशत ईवी पेनिट्रेशन हासिल करना है। ऑटोमोटिव बाजार विश्लेषक अभिक मुखर्जी के अनुसार, ऑटोमोबाइल और उनके कंपोनेंट्स के लिए अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी, भारत के बढ़ते कंपोनेंट निर्यात के लिए एक खतरा पैदा करती है। हालांकि, यह दूसरे बाजारों में कंपोनेंट निर्यात बढ़ाने का भी अवसर पैदा करता है। भारत की सबसे बड़ी पीवी कंपनी मारुति सुजुकी और अंतरराष्ट्रीय बीईवी स्पेशलिस्ट टेस्ला और विनफास्ट के प्रतिस्पर्धी मूल्य वाले किफायती और प्रीमियम मॉडल के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश करने जा रहे हैं।

एटीएम से कैश निकालना होगा महंगा, इस दिन से बढ़ जाएंगे चार्ज; जानिए नई दरें

नई दिल्ली। अगर आप अक्सर अपने बैंक के अलावा दूसरे बैंकों के एटीएम से कैश निकालते हैं या बैलेंस चेक करते हैं, तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। अगले महीने की शुरुआत के साथ ही अब एटीएम से पैसे निकालना महंगा होने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक ने एटीएम इंटरचेंज फीस में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है, और यह बढ़ा हुआ चार्ज 1 मई 2025 से लागू हो जाएगा। हर महीने की पहली तारीख को कई नियमों में बदलाव होते हैं और 1 मई से भी कई वित्तीय नियम बदलने जा रहे हैं, जिनमें एटीएम ट्रांजैक्शन से जुड़ा यह बदलाव भी शामिल है। अब होम बैंक नेटवर्क के बाहर किसी अन्य बैंक के एटीएम का उपयोग करने पर यूजर्स को पहले से अधिक शुल्क देना होगा। यह शुल्क मासिक मुफ्त लेनदेन सीमा समाप्त होने के बाद लागू होगा। केंद्रीय बैंक ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए यह शुल्क बढ़ाने की अनुमति दी है। रिपोर्टों के अनुसार, अब तक ग्राहक जब अपने बैंक के एटीएम के अलावा किसी दूसरे बैंक के एटीएम से मुफ्त सीमा के बाद पैसे निकालते थे, तो उन्हें प्रति ट्रांजैक्शन 17 रुपये का शुल्क देना पड़ता था।

कोलकाता ने रोमाचंक मुकाबले में दिल्ली को हराया सुनील नारायण बने प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल 2025 के 48वें मैच में 14 रनों से हरा दिया है. इस मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 209 रन बनाए. दिल्ली कैपिटल्स जीत के लिए मिले 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर सिर्फ 190 रन बना पाई और 14 रनों से मैच हार गई. केकेआर से जीत के लिए मिले 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए दिल्ली की ओर से फाफ डु प्लेसिस और अभिषेक पोरेल पारी की शुरुआत करने के लिए आए. अभिषेक 4, करुण नायर 15, केएल राहुल 7, ट्रिस्टन स्टब्स और आशुतोष शर्मा 7 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे ज्यादा रन फाफ डु प्लेसिस ने बनाए. उन्होंने 45 बॉल में 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 62 रनों की पारी खेली. उनके अलावा कप्तान अक्षर पटेल ने भी 23 बॉल में 4 चौके और 3 छक्कों के साथ 43 रनों की तूफानी पारी खेली. अंत में टीम के लिए विप्रज निगम ने भी 19 बॉल में 5 चौके और 2 छक्कों के साथ 38 रनों की तूफानी पारी खेली लेकिन अपनी टीम को जीत दिलाने में नाकामयाब रहे. कोलकाता के लिए सुनील नारायण ने 4 ओवर में 23 रन देकर 3 विकेट चटकाए.

आरबीआई ने इंडसइंड बैंक परिचालन की निगरानी के लिए कार्यकारी समिति को दी मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इंडसइंड बैंक के परिचालन की निगरानी के लिए एक अंतरिम समिति के गठन को मंजूरी दे दी है। यह समिति एक अंतरिम अवधि के लिए बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के कर्तव्यों, भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का निर्वहन करेगी, जब तक कि एक स्थायी सीईओ की नियुक्ति नहीं हो जाती। बैंक ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह कदम इंडसइंड बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ सुमंत कठपालिया द्वारा डेरिवेटिव अकाउंटिंग में चूक को लेकर अपने पद से इस्तीफा देने के बाद उठाया गया है, जिससे निजी क्षेत्र के बैंक की नेटवर्थ में गिरावट आई है।

स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बैंक ने बताया कि बोर्ड की एक निगरानी समिति की देखरेख में सौमित्र सेन (उपभोक्ता बैंकिंग प्रमुख) और अनिल राव (मुख्य प्रशासनिक अधिकारी) वाली समिति, बैंक के दिन-प्रतिदिन के मामलों का प्रबंधन करेगी। इस निरीक्षण समिति की अध्यक्षता बोर्ड के अध्यक्ष करेंगे और इसमें ऑडिट समिति; मुआवजा, नामांकन और पारिश्रमिक समिति और जोखिम प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शामिल होंगे। एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, आरबीआई की मंजूरी के आधार पर, बोर्ड ने बैंक के संचालन की देखरेख के लिए कार्यकारी समिति का गठन किया है। यह समिति बोर्ड की निरीक्षण समिति की देखरेख और मार्गदर्शन में बैंक के नए एमडी और सीईओ के कार्यभार संभालने तक या मौजूदा एमडी और सीईओ के कार्यमुक्त होने की तिथि से 3 महीने की अवधि तक कार्य करेगी। बैंक ने कहा कि वह शासन के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए अपने संचालन की स्थिरता और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है। बुधवार को शुरुआती कारोबार में इंडसइंड बैंक के शेयर में गिरावट आई। एक स्वतंत्र ऑडिट द्वारा बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में अकाउंटिंग विसंगतियों का पता चलने के बाद बैंक के डिप्टी सीईओ अरुण खुराना ने भी अपना पद छोड़ दिया है। बैंक के बोर्ड द्वारा नियुक्त एक पेशेवर फर्म द्वारा की गई जांच के निष्कर्ष 26 अप्रैल को प्रस्तुत किए गए।

दुष्मंथा चमीरा बने सुपरमैन, हवा में उड़ते हुए पकड़ा हैरतअंगेज कैच

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 का 48 वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जा रहा है. इस मैच में श्रीलंका के तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा जो दिल्ली कैपिटल्स की ओर से आईपीएल में खेल रहे हैं, उन्होंने सभी को हैरान कर दिया. चमीरा ने मैदान पर मौजूद सभी दर्शकों को दंग कर दिया. दरअसल, दुष्मंथा चमीरा ने दिल्ली और कोलकाता के बीच खेले जा रहे मैच में एक हैरतअंगेज कैच पकड़ा जो सोशल मीडिया पर देखते ही देखते वायरल हो गया. फैंस कमेंट कर इसे कैच ऑफ द टूर्नामेंट बता रहे हैं. चमीरा के इस कैच को जिसने भी देखा वो पूरी तरह से हैरान रह गया. बता दें कि, मिचेल स्टार्क कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी का अंतिम ओवर डालने के लिए आए. उन्होंने इस ओवर की चौथी गेंद अनुकूल रॉय को यॉर्कर लेंथ डालने की कोशिश की लेकिन गेंद सही लाइन और लेंथ पर नहीं गिरी. इस गेंद को बाएं हाथ के बल्लेबाज रॉय ने फ्लिक कर दिया. बॉल लगभग बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचने ही वाली थी कि दुष्मांता चमीरा ने हवा में उड़ते हुए एक हाथ से शानदार कैच पकड़ लिया. इस कैच को लेने के बाद उन्हें खुद यकीन नहीं हुआ की उन्होंने कैच पकड़ लिया है. जब स्टार्क को पता चला की चमीरा ने सफलतापूर्वक कैच को पकड़ लिया है तो उन्होंने विकेट लेने का जश्न मनाया. इस शानदार कैच के साथ ही अनुकूल रॉय शून्य के स्कोर पर पवेलियन लौट गए.

शब्द सामर्थ्य -245

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा जोखा, गणित, एकाउंट 3. बिजली, चमक 6. दुष्टता, गुण्डागर्दी, बदचलनी 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग से गाना जाने वाला सुंदर गीत 10. नंबर, क्रम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, डायल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. स्वाद, सार 24. मौका 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. चकित, प्रभावित होना 3. प्रणय क्रीड़ा, सुखोपभोग, [illegible] 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्र इच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, तात्पर्य 20. [illegible] 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

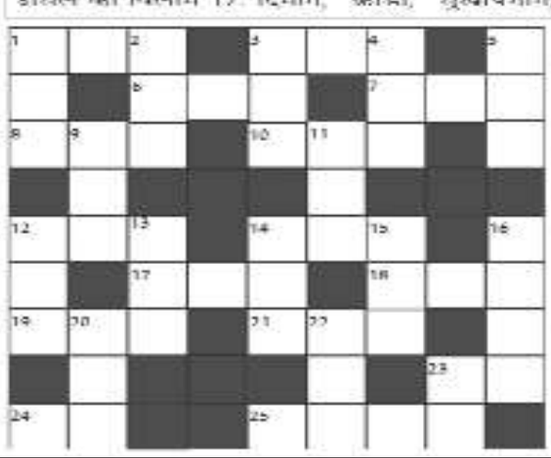

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 244 का हल

दा	ढ़ी	■	की	■	खा	मो	आ	म
वा	■	त	म	न्ना	■	■	जा	■
न	जा	क	त	■	ब्रा	अ	दृ	ब
ल	■	ली	■	वि	ला	प	■	हा
■	अ	फ	सा	ना	■	मा	हि	र
दा	व	■	■	ग्रा	मु	न	■	■
न	■	उ	प	का	र	■	शि	■
व	■	त्स	■	र	■	त	क	ला
■	सा	व	न	■	गु	रु	वा	र

सू- दोकू क्र.245

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है, जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बना है। 2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है। 3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.244 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 02 मई 2025

छत्तीसगढ़ का पहला एआई डाटा सेंटर पार्क नवा रायपुर में, 3 मई को भूमिपूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय 3 मई 2025 को सवेरे 11.30 बजे अटल नगर नवा रायपुर स्थित सेक्टर-22 (सीबीडी रेलवे स्टेशन के निकट) ए आई डेटा सेंटर पार्क का भूमिपूजन करेंगे। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि इस एआई एक्सक्लूजिव डाटासेंटर पार्क की लागत 1000 करोड़ रुपए होगी, यह 13.5 एकड़ मेंहोगा। इसमें 2.7 हेक्टेयर एरिया स्पेशल इकानामिक जोन के विकास के लिए होगा।

मुख्यमंत्री साय की पहल से छत्तीसगढ़ के बर्खास्त बीएड शिक्षकों के जीवन में लौटी खुशियाँ

26 सौ से अधिक युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने का ऐतिहासिक निर्णय, सहायक शिक्षकों ने मुख्यमंत्री साय का जताया आभार

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से छत्तीसगढ़ के 26 सौ से अधिक बीएड अर्हताधारी बर्खास्त सहायक शिक्षकों के जीवन में खुशियां लौट आई है। प्रदेश सरकार ने बर्खास्त शिक्षकों को सहायक शिक्षक विज्ञान (प्रयोगशाला) के पद पर समायोजन करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इस फैसले से राज्य के 2600 से अधिक युवाओं का भविष्य एक बार फिर संवर गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज मुख्यमंत्री निवास में बर्खास्त सहायक शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को गजमाला पहनाकर उनके प्रति कृतज्ञता जताई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस मौके पर सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं और उनसे अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों का और देश का भविष्य गढ़ना शिक्षकों का सबसे बड़ा कर्तव्य है। आप सभी अपने दायित्व के प्रति सचेत रहें और इस भूमिका में सर्वोच्च योगदान दें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार ने शिक्षकों की चिंता पहले दिन से की थी। आप सभी हमारे प्रदेश के बच्चे हैं और आपके भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प हमने पहले से ले लिया था। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह कदम छत्तीसगढ़ के भविष्य निर्माताओं को नया संबल देगा और शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाएगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि ये युवा शिक्षक आने वाले वर्षों में प्रदेश की नई पीढ़ी को दिशा देंगे और छत्तीसगढ़ को विकास के पथ पर अग्रसर करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह निर्णय शिक्षकों के उज्ज्वल, सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य की एक नई शुरुआत है।

हर युवा के चेहरे की चिंता हमने पढ़ी, हर परिवार की पीड़ा हमने समझी और उसका समाधान करना ही हमारा प्रयास: सीएम विष्णुदेव साय

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी के साथ आपके नौकरी के संबंध में लगातार चर्चा होती थी। हमारे मुखिया इतने संवेदनशील है कि उन्होंने पहले ही दिन कहा था कि जितने भी आर्थिक बोझ पड़े राज्य सरकार अपने युवाओं के भविष्य को खतरे में नहीं डालेगी। उन्होंने कहा कि आपके परिजन भी लगातार हमसे संपर्क कर अपनी चिंता व्यक्त करते थे और आज मुख्यमंत्री ने उन सभी की चिंता को दूर करते हुए अपना वादा निभाया। मुख्यमंत्री जी ने न केवल अपना वादा निभाया है बल्कि अपनी इच्छा शक्ति से सुशासन को स्थापित करने का कार्य किया है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के इस ऐतिहासिक निर्णय ने पूरे देश में मिसाल कायम की है।

इस अवसर पर युवाओं ने कहा कि नौकरी जाने के बाद वे अपने भविष्य को लेकर गहरी आशंका में थे और लगातार मानसिक पीड़ा झेल रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता ने उन्हें संबल दिया। शिक्षकों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने हर बार उनकी बात सुनी और भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने हमसे वादा किया था कि हमारे बेटे-बेटियों का भविष्य सुरक्षित किया जाएगा और आज उन्होंने अपना वादा निभाकर एक अभिभावक की जिम्मेदारी पूरी की है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल युवा शिक्षकों ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में सरकार ने वास्तव में सुशासन और संवेदनशीलता का परिचय दिया है।

संक्षिप्त समाचार

मजदूर दिवस के अवसर पर श्रम वीरों का पार्षद मोहन साहू द्वारा किया गया सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। डॉ.भीमराव अंबेडकर वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद मोहन साहू के द्वारा श्रम वीर भाइयों एवं बहनोंका सम्मान किया गया भारतीय जनता पार्टी के मंडल मंत्री शुभा नामदेव मोबीन अहमद मोहम्मद यूसुफ महेश नामदेव तोमर नामदेव राजेश पांडे लोमेश साहू आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजधानी में आंधी-तूफान, उखड़े पेड़ और होर्डिंग्स

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर में गुरुवार शाम को आये आंधी-तूफान के कारण जगह-जगह पेड़ और होर्डिंग्स उखड़े एवं अनेक गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई। बारिश से राजधानी तर बतर हुई। एक ओर जहां राजधानी वासियों को गर्मी से निजात मिली तो दूसरी ओर आंधी-तूफान का मंजर देखते ही बना।

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का काटोल स्टेशन एवं कोल्हापुर-गोंदिया एक्सप्रेस का पुणतांबा स्टेशन में प्रायोगिक ठहराव की सुविधा का विस्तार

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 18237/18238 कोरबा-अमृतसर-कोरबा, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का मध्य रेलवे के नागपुर मंडल के काटोल रेलवे स्टेशन एवं 11040/11039 गोंदिया-श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर-गोंदिया, एक्सप्रेस का मध्य रेलवे के पुणे मंडल के पुणतांबा रेलवे स्टेशन में प्रायोगिक ठहराव की सुविधा 11 अक्टूबर 2024 से छह माह की अवधि के लिए दिया गया था। यात्रियों से प्राप्त सकारात्मक प्रतिक्रिया, यात्रियों की बेहतर सुविधा एवं क्षेत्रीय जनताओं की मांगों को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने इन दोनों गाड़ियों के प्रायोगिक ठहराव को आगामी आदेश तक के लिए विस्तारित कर दिया है।

बिजली वितरण कम्पनी द्वारा 8180 कर्मियों को सामूहिक दुर्घटना बीमा का लाभ 30 दिन में होगा

दावा भुगतान समय-सीमा पर दावा भुगतान हेतु कर्मियों की जिम्मेवारी तय

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा कर्मचारियों व अधिकारियों को सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा की अवधि 1 वर्ष के लिए पुनरीक्षित की गई है। यह योजना कंपनी के नियमित अधिकारियों- कर्मचारियों, लाइन परिचालक संविदा कर्मी सहित उन सभी पर लागू होगी जो राज्य बीमा अधिनियम के अंतर्गत शासित नहीं है। वर्ष 2025-26 के लिए डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के 8180 अधिकारियों-कर्मचारियों को यह सुविधा दी जा रही है। दावा राशि के भुगतान हेतु 30 दिन की समय सीमा तय की गई है।

योजना के तहत कार्य अवधि में मृत्यु होने पर जोखिम राशि रुपए 15 लाख एवं कार्य अवधि के अलावा अन्य अवधि में दुर्घटनावश मृत्यु होने पर राशि रुपए 5 लाख प्रति व्यक्ति का प्रावधान किया गया है। कंपनी द्वारा दुर्घटना की जानकारी अनिवार्य रूप से बीमा कंपनी को 24 घंटे के अंदर देना सुनिश्चित करना होगा। साथ ही 30 दिन के अंदर दस्तावेजों की प्रतियां औद्योगिक संबंध, मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) कार्यालयों से परीक्षण कराके बीमा कंपनी को भेजना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों को भेजने हेतु मंडल प्रबंधक, मंडल कार्यालय मैसर्स दि न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, प्रथम तल, एलआईसी व्यावसायिक परिसर पंडरी रायपुर छत्तीसगढ़, दूरभाष क्रमांक 95842-91088 में प्रेषित करना होगा। यह योजना गैर अंशदायी प्रकृति पर आधारित है, यानी छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा वार्षिक प्रीमियम राशि,बीमा कंपनी को देय होगी। प्रकरणों के त्वरित निदान हेतु वितरण कंपनी प्रबंधन ने परिपत्र जारी कर निर्देशित किया कि नियमों के परिपालन नहीं करने या विलंब की स्थिति में संबंधित कार्यालय प्रमुख कनिष्ठ यंत्री/सहायक यंत्री/ कार्यपालन यंत्री एवं अनुभाग अधिकारी/ संभागीय लेखापाल की जवाबदारी होगी। प्रबंधन ने समस्त कार्यालयों से अपील की है कि वे इस योजना के तहत उक्त दस्तावेज समय पर प्राप्त और भेजने सुनिश्चित करें।

नक्सल प्रभावितों को हर संभव सहायता दी जाएगी : राज्यपाल रमेन डेका

राज्यपाल से मिले नक्सल हिंसा से पीड़ित बस्तर के ग्रामीण

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज राजभवन में बस्तर क्षेत्र के कांकेर, नारायणपुर और सुकमा जिले के नक्सल हिंसा से पीड़ित ग्रामीणों ने मुलाकात की और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। श्री डेका ने नक्सल प्रभावितों को हर संभव मदद् देने की बात कही।

राज्यपाल श्री डेका ने सभी पीड़ितों से बात चीत की। शासन की ओर से नक्सल हिंसा से प्रभावित ग्रामीणों को जो सहायता राशि उपलब्ध कराई गई है उस राशि का सदुपयोग करने कहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की विशेष पहल पर केंद्र शासन द्वारा बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सतत् कार्रवाई की जा रही है तथा वर्ष 2026 तक इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा इन क्षेत्रों के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल टावर लगाये जा रहे हैं, जिससे इन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संपदा से भरपूर बस्तर क्षेत्र में विकास एवं पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। राज्यपाल ने कहा कि नक्सल हिंसा से प्रभावित जो दिव्यांग हुए हैं उनको आत्म निर्भर बनाने के लिए प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने नक्सल हिंसा से दिव्यांग हुए सुकमा जिले के ग्राम चिंता गुफा निवासी राहुल सोढ़ी का इलाज एम्स रायपुर में कराने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, गृह मंत्री के ओएसडी श्री अमर सिदार सहित पीड़ित ग्रामीण भी उपस्थित थे।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन टेक्नोलॉजिकल एंड एथिकल डिमेन्शन ऑफ रिसर्च डाटा मैनेजमेंट नैविगेटिंग द डिजिटल फोंटियर का हुआ समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन टेक्नोलॉजिकल एंड एथिकल डिमेन्शन ऑफ़ रिसर्च डाटा मैनेजमेंट नैविगेटिंग द डिजिटल फोंटियर (ञ्जश्वष्ठक्रष्ठरू – 2025) राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (क्रक्ररुस्न), कोलकाता द्वारा प्रायोजित हुआ और इसमें लाइब्रेरी साइंस के देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने भाग लिया उल्लेखनीय है कि नेशनल सेमिनार में छत्तीसगढ़ के अलावा विभिन्न प्रदेशो जिसमें राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक से 82 प्रतिभागियो ने रजिस्ट्रेशन कराया है जिसमें लाइब्रेरी प्रोफेशनल, शोधार्थी, लाइब्रेरी साइंस विद्यार्थी 38 प्रतिभागियो ने पेपर प्रस्तुत किये, इस दौरान प्रोसीडिंग (कलेक्शन ऑफ़ सेमिनार पेपर्स) का भी विमोचन किया गया।

सेमिनार में दूसरे दिन दो तकनीकी सत्र हुए जिसमे की-नोट स्पीकर के रूप में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्विद्यालय के पूर्व लाइब्रेरियन डॉ सुपर्णा सेनगुप्ता जी उपथित थे उन्होंने डाटा एथिक्स, प्लेगरिसम, डाटा सिक्योरिटी पर अपना विचार रखा जिसको विद्यार्थियों और शोधार्थियों के ध्यान से सुना साथ ही उन्होंने ने शोधार्थियों के प्रश्नो का विस्तार से जवाब किया तकनिकी सत्र में उपस्थित वक्ताओं ने टेक्नोलॉजिकल एंड एथिकल डिमेन्शन ऑफ़ रिसर्च डाटा मैनेजमेंट नैविगेटिंग द डिजिटल फोंटियर पर अपनी अंतर्दृष्टि प्रस्तुत की।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैसे अनुसंधान डेटा प्रबंधन को बदल रहा है इसकी आवश्यकता को समझना और उपलब्ध उपकरणों की खोज करना, शैक्षणिक पुस्तकालयों में शोध डेटा के प्रबंधन में पुस्तकालयाध्यक्षों की भूमिका में चुनौतियों और अवसरों का एक व्यापक अध्ययन किया गया साथ ही कृषि पुस्तकालय अनुसंधान डेटा प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग के अवसर और चुनौतियां उन्होंने ज्ञान प्रतिमानों, विशेषताओं, कार्यों और सेवाओं के संदर्भ में पारंपरिक और आधुनिक पुस्तकालयों के तुलनात्मक विश्लेषण पर चर्चा की।

आधुनिक पुस्तकालयों के नए चलन और डिजिटल फ्रंटियर पर अनुसंधान डेटा प्रबंधन- नैतिक और तकनीकी अंतर्दृष्टिपूरे विश्व में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में किस प्रकार के शोध चल रहे हैं। पूरा सत्र बहुत ही संवादात्मक रहा। सभी प्रतिभागियों ने वक्ताओं और प्रस्तुतकर्ताओं के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की और अपनी शंकाओं को दूर किया।

अंत में वेलेडिक्टरी फंक्शन में मुख्य अतिथि के रूप में अमीठी विश्विद्यालय के वाईस चांसलर प्रोफेसर पीयूषकांत पांडेय जी ने टेक्निकल एडवांसमेंट का शिक्षा में प्रभाव और आने वाले भविष्य में इसकी सम्भावना पर अपने विचार रखे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सुचना विज्ञानं के प्रोफेसर आदित्य त्रिपाठी जी ने कहा की आर्टिफीसियल इंटेलीजेन्स के आ जाने से सुचना आसान तो हुई है किन्तु इसके प्रमाणिकता की जाँच अवश्य कर लेने चाहिए जब तक विषय विषय विशेषज्ञ द्वारा प्रमाणित न हो जाये कोई भी सुचना को सही होने का दावा नहीं किया जा सकता वेलेडिक्टरी फंक्शन में विश्विद्यालय के प्रो चांसलर श्री एस एस बजाज जी ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया इस अवसर पर प्रभारी कुलपति आर आर बिरली जी ने आधुनिक शिक्षा में टेक्नोलॉजी के महत्व के बारे में शोधार्थीयो को विस्तार से बताया।

इस अवसर पर विश्विद्यालय के रजिस्टर डॉ सौरभ कुमार शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए, कार्यकम के अंत में कार्यकम के ओर्गनइजिंग सेकेटरी श्री सचिन कुमार दीवान ने प्रस्तुतिकरण के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कैट की राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की दो दिवसीय बैठक भूवनेश्वर में सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह ने बताया कि कैट की राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की दो दिवसीय बैठक भूवनेश्वर में सम्पन्न हुई। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) वर्ष 2025 को व्यापारी स्वाभिमान वर्ष के रूप में मनाया जायेगा है। कैट ने बताया कि यह वर्ष व्यापारियों के अधिकारों, देश के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विकास में उनके योगदान, और उनकी समस्याओं को उजागर करने तथा उनके सम्मान को स्थापित करने के उद्देश्य से समर्पित होगा। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी.सी. भरतिया एवं कैट के राष्ट्रीय महासचिव श्री प्रवीण खण्डेलवाल ने कहा कि व्यापारी को होनें वाली छोटी बड़ी समस्या के निदान के लिए हमेशा व्यापारी के साथ कैट मजबूती खडा रहा है। इसलिए हम आगे भी छोटे व्यापारियों के लिए और भी अधिक मजबूती के साथ खडे रहेगें।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय देश के सर्वश्रेष्ठ चावल अनुसंधान केन्द्र के रूप में सम्मानित

सर्वश्रेष्ठ चावल प्रजनन वित्त पोषित केन्द्र का खिताब भी मिला

हैदराबाद में आयोजित धान परियोजना के हीरक जयंती समारोह में मिला पुरस्कार

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के ''चावल समग्र अनुसंधान केन्द्र'' को भारत में सर्वश्रेष्ठ केन्द्र के रूप में सम्मानित किया गया है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को यह सम्मान भारतीय धान अनुसंधान केन्द्र, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद में आयोजित धान की वार्षिक बैठक की हीरक जयंती समारोह में प्रदान प्रदान किया गया। इसके साथ ही अनुवांशिकी व पौध प्रजनन केंद्र रायपुर को सर्वश्रेष्ठ चावल प्रजनन वित्त पोषित केंद्र के रुप में भी पुरस्कृत किया गया। यह सम्मान कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. डी.के. यादव, उप महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहायक महानिदेशक (एफएफसी) डॉ. एस.के. प्रधान एवं कार्यक्रम के संयोजक एवं भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. आर.एम. सुंदरम की उपस्थिति में प्रदान किया गया। सम्मान समारोह भारतीय धान अनुसंधान केन्द्र, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद, केन्द्रीय धान अनुसंधान संस्थान, कटक, भारतीय धान अनुसंधान, नई दिल्ली एवं धान अनुसंधान एडवांसमेंट समिति द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर धान अनुसंधान के 60 से अधिक केंद्रों के 500 से ज्यादा धान वैज्ञानिक उपस्थित थे। इस उपलब्धि हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने परियोजना के समस्त वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चन्देल के कुशल नेतृत्व में भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (धान) 2024-25 के दौरान अखिल भारतीय समन्वित परीक्षणों और चावल अनुसंधान गतिविधियों के संचालन हेतु उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के चावल अनुसंधान केन्द्र को अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (धान) के तहत सर्वश्रेष्ठ फसल सुधार केन्द्र के रूप में सम्मानित किया गया है। गौरतलब है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. आर.एच. रिछारिया द्वारा संग्रहित 23 हजार से अधिक धान जनन द्रव्यों का रखरखाव किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में स्थित धान जनन द्रव्य केंद्र एशिया महाद्वीप का सर्वश्रेष्ठ केंद्र धान जनन द्रव्य केन्द्र है। इन्ही जनन द्रव्यों के उपयोग द्वारा धान की बहुत सी विपुल उत्पादन देनी वाली किस्में, संकर किस्में, पोहा उत्पादक, पोषण तत्व, औषधीय गुण युक्त एवं कीट व रोग प्रतिरोधक किस्में विकसित की गई हैं, जिनमें महामाया, राजेश्वरी, छत्तीसगढ़ देवभोग, विक्रम टी.सी.आर., छत्तीसगढ़ धान 1919, छत्तीसगढ़ बारानी धान, छत्तीसगढ़ संकर धान, इंदिरा सोना, छत्तीसगढ़ ट्राम्बे, विष्णु भोग म्यूटेंट, भव्या धान, सी.जी. तेजस धान, जिंको राइस, प्रोटाजीन व मधुराज प्रमुख हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में परियोजना के वैज्ञानिक डॉ. दीपक शर्मा, परियोजना समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार तिवारी, डॉ संजय शर्मा, डॉ अनिल वर्मा, डॉ सुनील नायर, डॉ. दीपक गौराहा, डॉ. अभिनव साव एवं डॉ. वी.बी. कुरुवंशी का उल्लेखनीय योगदान रहा है।

भारतीय रेल के लिए डिजाइन करें डिजिटल क्लॉक, पाएँ 5 लाख रुपए का इनाम

रायपुर/बिलासपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेल ने देश के सभी स्टेशनों पर नए डिजाइन के डिजिटल क्लॉक लगाने की योजना बनाई है जिसके लिए डिजाइन बनाने हेतु एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। रेलवे बोर्ड से प्राप्त सूचना के अनुसार सभी स्टेशनों की डिजिटल घड़ियों को मानकीकृत करने के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जिसके तहत पेशेवर, कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी स्टूडेंट तथा स्कूली छात्रों के लिए तीन अलग-अलग श्रेणियां बनाई गई हैं।

तीनों श्रेणियों को मिलाकर भारतीय रेल में उपयोग के लिए चयनित डिजाइन बनाने वाले किसी एक विजेता को पांच लाख रुपए का प्रथम पुरस्कार दिया जाएगा। तीनों श्रेणियों में 50-50 हजार रुपए के पाँच-पाँच सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इस प्रतियोगिता के तहत 1 मई से 31 मई तक प्रतिभागियों को डिजिटल घड़ी का डिजाइन ऑनलाइन माध्यम से जमा करना है।

रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार के अनुसार हाई रेजोल्यूशन वाली डिजाइन जिसमें वाटर मार्क या लोगो ना हो, को ईमेल के माध्यम से भेजना है और साथ में मौलिकता का प्रमाण पत्र भी प्रतिभागियों को देना है। सभी प्रतिभागियों को एक से अधिक डिजाइन जमा करने की छूट दी गई है। प्रतिभागियों को अपने डिजाइन के साथ ही डिजाइन के विषय के बारे में एक संक्षिप्त अवधारणा नोट भी जमा करना है। प्रतिभागियों को यह भी सुनिश्चित करना है कि उनका डिजाइन मौलिक है और बौद्धिक संपदा या किसी दूसरे व्यक्ति या संस्था के कॉपीराइट का उल्लंघन नहीं करता है।

स्कूली छात्र कैटेगरी में 12वीं तक के छात्रों को शामिल किया गया है जिसके लिए उन्हें स्कूल का पहचान पत्र जमा करना होगा। इसी तरह कॉलेज के छात्र कैटेगरी में वैसे लोगों को शामिल किया गया है जो किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर रहे हों। शेष सभी लोगों को प्रोफेशनल कैटेगरी में रखा जाएगा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354